शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 37 | गुवाहाटी | मंगलवार, 3 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कूचबिहार में भाजपा का हंगामा, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रामाणिक हिरासत में — पेज 2

वाहनों से जुर्माना वसूली पर गौहाटी हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भेजा नोटिस — पेज 3

युवा, किसान, गरीब और महिलाओं को सशक्त बनाना प्रधानमंत्री मोदी ... — पेज 5

पैरा-स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रचा इतिहास, पेरिस पैरालिंपिक में जीता दूसरा पदक — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जातीय जनगणना विकास के लिए, राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं : संघ

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने साफ तौर पर कहा है कि जातिगत जनगणना का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, न कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसे संवेदनशील विषय को उभारना चाहिए। रा.स्व.संघ की समन्वय बैठक के बाद एक सवाल के जवाब में अ.भा. प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने साफ किया कि देश व समाज की एकता और अखंडता हमेशा से हमारी प्राथमिकता रही है। राजनीतिक लाभ के लिए देश और समाज को बांटने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। आरक्षण के विषय पर भी संघ की नीति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हम हमेशा से संविधान

प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था का समर्थन करते आए हैं। इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन संबंधित पक्षों और लाभार्थियों को विश्वास में लेकर ही करना चाहिए। यहां भी उद्देश्य राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के बाद पालक्काड में आयोजित पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में संघ के प्रचार प्रमुख ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान और उनके लिए योजना बनाने के समाज के सभी वर्गों के आंकड़े जुटाना अनुचित नहीं है। यह पहले भी किया जाता रहा है। पर इसका उद्देश्य समाज में विभेद पैदा करना नहीं होना चाहिए। पालक्काड में 31 अगस्त से 02 सितम्बर तक चली संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में सभी ज्वलंत राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर व्यापक और चर्चा हुई। बैठक में बांग्लादेश के हालात और पश्चिम बंगाल में हुई घटना पर भी चर्चा हुई है। सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में बंगाल में प्रशिक्षु महिला -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर हस्तक्षेप से किया इंकार

नई दिल्ली। जातिगत गणना मामले में हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला सरकार के दायरे में आता है और नीतिगत मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना कराने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। पी. प्रसाद नायडू ने वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार करनम के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी। सोमवार को न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने सुनवाई की। अदालत ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओं से कहा कि इस बारे में क्या किया जा सकता है? यह मुद्दा शासन के दायरे में आता है। यह नीतिगत मामला है। अधिवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

ये मत सोचो की प्यार और लगाव एक ही चीज है। दोनों एक दूसरे के दुश्मन हैं। ये लगाव ही हैं जो प्यार को खत्म कर देता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मणिपुर में ड्रोन से हमले का प्रचार झूठा, वायरल वीडियो म्यांमार का

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच रविवार को दावा किया गया कि कुछ कुकी संगठनों ने ड्रोन का प्रयोग कर सेना को निशाना बनाया। इस मामले में सोशल मीडिया से लेकर मेनस्ट्रीम मीडिया तक में कुछ समाचार प्रसारित किए गए और उसका -शेष पृष्ठ दो पर

कैबिनेट : कृषि एवं किसानों के लिए सात योजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को किसानों के जीवन और आजीविका में सुधार के लिए 13,966 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ सात प्रमुख योजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज सात योजनाओं को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आज इन -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार ने 23,956 संविदा शिक्षकों को किया स्थायी, सीएम ने सौंपे नियुक्ति पत्र

और 50 हजार बेरोजगार को दी जाएगी सरकारी नौकरी : डॉ शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा में स्थित पशु चिकित्सा कॉलेज मैदान पर उच्च और निम्न प्राथमिक विद्यालय के 23 हजार 959 संविदा और राज्य पूल शिक्षकों को स्थायी नियुक्तिपत्र सौंपे। संविदा शिक्षकों को स्थायी नियुक्ति करने के फैसले को राज्य के शिक्षण बिरादरी को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। राज्य में डॉ शर्मा सरकार अब तक एक लाख 24 हजार 345 अभ्यर्थियों को नौकरी दे चुकी है। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि संविदा शिक्षकों को स्थायी करने का यह प्रयास नौकरी के अवसरों को बढ़ाने और पूरे राज्य में योग्यता आधारित पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में 50 हजार नई सरकारी नौकरियां सृजित करने की योजना चल रही है, जिसका उद्देश्य रोजगार के अवसरों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना और विभिन्न विभागों और सेवाओं में सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों के लिए कई नए लाभों की शुरूआत भी की। जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का गृह मंत्री से अनुरोध, कहा-

हिंसा रोकने में विफल रहे केंद्रीय बलों को मणिपुर से बुलाया जाए वापस

इंफाल। मणिपुर के भाजपा विधायक राजकुमार इमो सिंह ने सोमवार को केंद्र से अनुरोध किया कि यदि केंद्रीय बलों की मौजूदगी से हिंसा नहीं रुकती तो राज्य से उनको वापस बुला लिया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में सिंह ने कहा कि यदि केंद्रीय बल ऐसा करने में विफल रहते हैं तो जातीय संघर्ष प्रभावित राज्य में शांति बहाल करने के प्रयास के लिए राज्य सुरक्षा कर्मियों को कार्यभार संभालने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में करीब 60,000 केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद शांति नहीं आई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सिंह, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दामाद भी हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में लगभग 60,000 केंद्रीय बलों की मौजूदगी शांति स्थापित नहीं कर पा रही है, इसलिए बेहतर है कि ऐसे बलों -शेष पृष्ठ दो पर

बच्ची से बलात्कार की कोशिश, 15 वर्षीय किशोर गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के करीमगंज जिले में तीन साल की बच्ची से बलात्कार का प्रयास करने के आरोप में 15 वर्षीय एक लड़के को हिरासत में लिया गया है। लड़की के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि लड़का रविवार शाम को उनकी बेटी के साथ खेलने के लिए उनके घर आया था। उन्होंने दावा किया कि लड़की की मां 15 मिनट के लिए बाहर गई थी और जब वह वापस लौटी तो उसने देखा कि लड़का बिना कपड़ों के था -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड भर्ती अभियान में 15 अभ्यर्थियों की मौत

जांच के लिए एनएचआरसी से आग्रह करेगी भाजपा : हिमंत

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि झारखंड में आबकारी कांस्टेबल पद के लिए शारीरिक परीक्षण के दौरान 15 अभ्यर्थियों की मौत *अत्यधिक गर्मी* के कारण हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से इन मौतों की जांच करने का आग्रह करेगी। शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को 15 सितंबर तक शारीरिक परीक्षण तत्काल स्थगित कर देना -शेष पृष्ठ दो पर

सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल घोष को किया गिरफ्तार

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के ट्रेनी महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला डॉक्टर की हत्या की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई अब तक इस मामले में कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा मुख्य आरोपी संजय रॉय का पोलीग्राफ टेस्ट भी कर चुकी है। कोलकाता डॉक्टर रेप एंड मर्डर केस में सुप्रीम कोट भी सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। वहीं, महिला डॉक्टर को इंसाफ दिलाने के लिए लोग अभी भी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल में प्रमुख फिल्मी हस्तियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं समेत एक विशाल रैली में भाग लेने वाले लोगों ने रातभर धरना दिया जो कि सुबह चार बजे तक चला और महिला चिकित्सक को न्याय दिलाने की मांग की। विवार को हजारों लोग विरोध मार्च में शामिल हुए और रैली के अंत में वे मध्य -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बुलडोजर कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़ा किया है। जस्टिस बीआर गवाई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सिर्फ आरोपित होने के आधार पर किसी के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि इसे लेकर वो राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश जारी करेगा। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर में चाकू मारने के आरोपित बच्चे के पिता के घर पर बुलडोजर कार्रवाई पर कहा कि एक पिता का बेटा अड़ियल हो सकता है लेकिन उसके लिए उसका घर गिरा दिया जाए, -शेष पृष्ठ दो पर

देश के आर्थिक विकास में सहकारिता का अतुलनीय योगदान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि निजी उद्योग और व्यापार ने देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन सहकारिता का योगदान देश के विकास में अतुलनीय है। राष्ट्रपति सोमवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर के वारणानगर में श्री वारणा महिला सहकारी उद्योग समूह के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सहकारिता समाज में निहित शक्ति का सदुपयोग करने का सर्वोत्तम माध्यम है। इसके सिद्धांत संविधान में वर्णित न्याय, एकता और बंधुत्व की भावना के अनुरूप हैं। जब विभिन्न वर्गों और विचारधाराओं के लोग सहयोग के लिए एकजुट होते हैं, तो उन्हें सामाजिक -शेष पृष्ठ दो पर

हिंडनबर्ग के बाद अब कांग्रेस का बम

सेबी चीफ पर तीन जगह से सैलरी लेने का आरोप

सवालों के घेरे में आईसीआईसीआई बैंक

नई दिल्ली। सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच पर अभी हिंडनबर्ग रिपोर्ट के आरोपों के बादल छंटे भी नहीं थे कि अब कांग्रेस ने नए आरोपों का बम फोड़ दिया है। पीटीं के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने आज सेबी चेयरमैन पर कई आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सेबी की भूमिका शेयर बाजार को विनियमित करना है, जहां हम सभी अपना पैसा निवेश करते हैं। इसकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि माधबी पुरी बुच -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का सदस्यता अभियान पार्टी नहीं देश को सशक्त करने के लिए है : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान-2024 का शुभारंभ करते हुए कहा कि भाजपा एकमात्र पार्टी है जो लोकतंत्र का पालन करती है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान केवल पार्टी की ताकत बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि भारत को सशक्त करने के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह के साथ भाजपा मुख्यालय में पार्टी के *सदस्यता अभियान* का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्ड कॉल सेवा के माध्यम से अपनी भाजपा सदस्यता का नवीनीकरण किया और 2024 में पार्टी के पहले सदस्य बने। प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भाजपा सदस्यता प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

ढाका अस्पताल में चिकित्साकर्मियों पर हमला, चिकित्सकों का देशव्यापी हड़ताल

ढाका(हि.स.)। बांग्लादेश के ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में एक छात्र की मौत के बाद चिकित्साकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में बांग्लादेश में सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में चिकित्सकों ने रविवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने हमले के दोषियों के खिलाफ तत्काल कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की मांग की, साथ ही काम पर लौटने की पूर्व शर्त के रूप में कार्यस्थलों पर सुरक्षा की भी मांग की। देश भर के चिकित्सकों ने चार सूत्री मांगों को लेकर एक सितंबर से सभी सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को पूरी तरह बंद रखने की घोषणा की है। उनकी मांगों में शनिवार रात को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कूचबिहार में भाजपा का हंगामा, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रामाणिक हिरासत में

कोलकाता (हि.स.)। आरजी कर कांड के विरोध में जिला शासक कार्यालय घेराव के दौरान सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कूचबिहार का सागरदिघी इलाका रणक्षेत्र बन गया। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रामाणिक को पुलिस ने रैली से हिरासत में ले लिया, जिसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पर जमकर पत्थरबाजी की। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले भी छोड़ने पड़े। आरजी कर कांड में न्याय की मांग और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर भाजपा ने सोमवार को कूचबिहार के जिला शासक कार्यालय के घेराव का आह्वान किया था। दोपहर दो बजे के आसपास पूर्व केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रामाणिक, कूचबिहार जिला भाजपा अध्यक्ष सुकुमार राय, भाजपा विधायक मिहिर गोस्वामी और मालती राभा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं का मार्च जिला शासक कार्यालय की ओर बढ़ रहा था। जिला शासक कार्यालय के करीब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन निशीथ और उनके समर्थकों ने पुलिस के बैरिकेड्स को तोड़ने का प्रयास किया। निशीथ को अभी भी जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है और वे अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान डीएसपी चंदन दास, अतिरिक्त डीएसपी कृष्णगोपाल मीना और आईसी तपन पाल के साथ उनकी तीखी बहस और धक्का-मुक्की हो गई। इसके तुरंत बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर एसपी कार्यालय ले जाया गया। निशीथ के हिरासत में लिए जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच तनाव बढ़ गया। वे नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय की ओर बढ़ने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया लेकिन थोड़ी ही देर बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसपी कार्यालय पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

पटना में नदी में नहाने गए चार बच्चे डूबे तलाश जारी

पटना (हिंस)। पटना में बख्तियारपुर के टेका बीघा स्थित घोबा में नदी में स्नान करने गए चार बच्चे डूब गए। घटना के बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से डूबे हुए बच्चों की तलाश की जा रही है। बताया गया है कि बख्तियारपुर के टेका बीघा स्थित घोबा नदी में आठ बच्चे नहाने गए थे। नहाने के दौरान छह बच्चे गहरे पानी में डूब गए। इनमें दो को सकुशल बाहर निकाल लिया गया जबकि चार पानी में लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सीडीपीओ अभिषेक सिंह पहुंचे हैं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से चारों बच्चों की खोजबीन शुरू की।

सिंगर एपी ढिल्लों के घर पर फायरिंग लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मशहूर सिंगर अमृतपाल सिंह ढिल्लों उर्फ एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घर पर फायरिंग हुई है, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। इसको लेकर गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी डाली है। यह घटना रविवार को कनाडा के वैंकूवर एरिया में हुई। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बाद पंजाब के कई कलाकार कनाडा में शिफ्ट हो चुके हैं। वहां पर भी उनके ऊपर हमले हो रहे हैं। इससे पहले पंजाबी फिल्म अभिनेता एवं गायक गिप्पी ग्रेवाल के घर पर भी पिछले साल फायरिंग की घटना हुई थी। एपी ढिल्लों के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग के कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली। उसने सोशल मीडिया पर लिखा है कि 1 सितंबर की रात कनाडा में दो जगहों पर हमने फायरिंग करवाई है, जिसमें विक्टोरिया आईलैंड और वुडब्रिज टोरंटो है।

बजाली में नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म

बजाली (हिंस)। बजाली में एक नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा के परिजनों ने जिले के बाघमारा थाना में एक काठमिस्त्री के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित छात्रा की आयु 14 वर्ष बताई गई है। उल्लेखनीय है कि इसी माह होजाई जिले के धिंग में दसवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ किए गए सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सके हैं।

ड्रग्स और गांजा समेत चार तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिला के लमडिंग रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस और आरपीएफ की सीआईबी टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए चार तस्करों को ड्रग्स और गांजा समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि लमडिंग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की सीआईबी के साथ चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान पांच बैग से 19 किलो गांजा और एक साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 19 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया। बरामद की गई सामग्री डाउन अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस के जरिए तस्करी की जा रही थी। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिलांग के रहने वाले मिल्टन चक्रवर्ती, बिहार के प्रणव कुमार सिंह, शंकर महतो और अभेष राय के रूप में की गई। जब्त गांजा और ड्रग्स को चारों तस्कर अगरतला से अन्य राज्य तक रेल के जरिए ले जा रहे थे। रेलवे पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

नगांव : नदी में डूबे युवक का पता नहीं

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कचुवा के उजानमारी में बरपानी नदी में तैरने के दौरान डूबे एक युवक का अबतक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने आज बताया कि नूर मोहम्मद नामक युवक का दो दिनों से पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ की टीम लगातार तलाशी अभियान चला रही है, लेकिन युवक का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

नर्सिंग स्टूडेंट्स ने विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। महात्मा गांधी अस्पताल में नर्सिंग स्टूडेंट्स ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अधीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। नर्सिंग स्टूडेंट्स ने बताया कि वह महात्मा गांधी अस्पताल के अलावा उम्मेद अस्पताल एवं एमडीएम अस्पताल में भी ड्यूटी पर जाते हैं। उनसे कई बार अलग-अलग अस्पतालों में ड्यूटी पर जाना होता है लेकिन उनके लिए वहां पर जाने की कोई व्यवस्था नहीं है। सभी को अपने स्वयं की सुरक्षा पर वहां जाना होता है। उनकी मांग है कि उनके लिए बस या एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए जिससे वह रात्रि ड्यूटी के दौरान समय पर पहुंच सके।

पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार

चराइदेव (हिंस)। सोनारी में सुरक्षा बलों ने एक अभियान में दो युवकों को प्वाइंट 22 बोर की पिस्तौल और दो राउंड जिंदा गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने आज बताया है कि असम राइफल्स द्वारा नियमित तलाशी के दौरान दोनों युवकों को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे असम-नगालैंड सीमा के नामतोला की ओर से एक वाहन में बैठकर आ रहे थे। गिरफ्तार युवकों की पहचान बराही के निरंजन बुढ़ागोहाई और चराइदेव दोलबागान के अब्दुल सत्तार के रूप में हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

जातीय जनगणना विकास...

चिकित्सक के साथ हुए घटनाक्रम पर भी चर्चा हुई है। संघ का मानना है कि महिलाओं के खिलाफ देशभर में हो रहे अपराधों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। इसके लिए, सख्त कानूनों और शीघ्र न्याय के अलावा समाज में जागरूकता, परिवारों में संस्कार, शिक्षा पर ध्यान और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ ने अपने शताब्दी वर्ष (100 वर्ष पूर्ण) होने पर जो पंच अभियान चलाने का निश्चय किया है, उसमें कुटुम्ब प्रबोधन और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी है, जिसमें इन दोनों सामाजिक चुनौतियों का समाधान निहित है। संघ की समन्वय बैठक में बांग्लादेश में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट पेश की गई और उस पर व्यापक चर्चा की गई। संघ का कहना है कि वैश्विक स्तर से लेकर भारत के अनेक सामाजिक संगठनों ने भारत सरकार को प्रतिवेदन सौंपे हैं। हमारा मानना है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से संवाद बनाए रखना चाहिए और पुरजोर तरीके से उठाना चाहिए। महिला सशक्तीकरण के बारे में पत्रकार वार्ता के शुरुआत में ही संघ के प्रचार प्रमुख ने बताया कि समन्वय बैठक में कुल 300 प्रतिनिधियों में 32 महिला प्रतिनिधि सम्मिलित हुई। गत एक वर्ष में पूरे देश में मातृशक्ति के 472 सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें 5 लाख 75 हजार से अधिक माताओं-बहनों ने भागीदारी की। भारतीय चिंतन दृष्टि से समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और उनके सशक्तीकरण के लिए महिला सम्मेलनों में गंभीर चिंतन हुए हैं। समन्वय बैठक में उस पर आगे की योजना पर विचार हुआ है। उन्होंने बताया कि बैठक में आने वाले समय में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती और रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती को व्यापक स्तर पर धूमधाम से मनाने की कार्ययोजना पर भी विचार हुआ। प्रचार प्रमुख ने बताया कि बैठक में तमिलनाडु में चल रही मिशनरी गतिविधियों पर ध्यान दिलाया गया। इसमें बताया गया कि बड़े स्तर पर लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इस पर आगे जमीनी हालात जानने के लिए रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी। इसके साथ ही हाल ही में वायनाड में आए भूस्खलन में संघ और सेवाभारती के कार्यकर्ताओं के सेवाकार्यों की जानकारी दी गई, साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी विचार किया गया। संघ की समन्वय बैठक में शामिल सभी संगठनों ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान अपने अपने क्षेत्र में किस प्रकार योजना बनाकर पंच परिवर्तन के लिए कार्य करेंगे, इसकी कार्ययोजना प्रस्तुत की। संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का आधार मानकर जिन पांच आयामों को निर्धारित किया है, वे है- (1) स्व का बोध (2) नागरिक कर्तव्य (3) पर्यावरण (4) सामाजिक समरसता और (5) कुटम्ब प्रबोधन। इन पांच आयामों से ही देश और समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

रविशंकर जंडियाला ने तर्क दिया कि कई देशों ने ऐसा किया है, लेकिन भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय-समय पर की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि वह याचिका खारिज कर रही है, क्योंकि अदालत इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत के मूड को भांपते हुए वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया। नायडू ने अपनी याचिका में कहा था कि केंद्र और उसकी एजेंसियां 2021 की जनगणना को बार बार स्थगित कर रही हैं। याचिका में कहा गया कि सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना वंचित समूहों की पहचान करने, समान संसाधन वितरण सुनिश्चित करने और लक्षित नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करने में मदद करेगी। 1931 का अंतिम जाति-वार डेटा पुराना हो चुका है। जनगणना और सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना से सटीक डेटा केंद्र सरकार के लिए सामाजिक न्याय और संवैधानिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार 2011 में आयोजित एसईसीसी का उद्देश्य जाति संबंधी जानकारी सहित सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर व्यापक डेटा एकत्र करना था।

सरकार ने 23,956 संविदा...

पेंशन और बिना किसी संपार्श्विक के *आपुन घर* गृह ऋण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भारतीय स्टेट बैंक से इनको ऋण देने में प्राथमिकता देने का अनुरोध करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने यह भी घोषणा की कि यदि किसी शिक्षक की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो उनके परिवार को अब उनकी शेष सेवा अवधि के लिए पूरा वेतन मिलेगा। वंचित क्षेत्रों में स्टाफिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रतिबद्ध शिक्षकों को अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। उन्होंने नवनियुक्त लोगों से शिक्षा के माध्यम से समाज को प्रबुद्ध करने के कार्य में खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। राज्य के शिक्षा विभाग को हाल ही में मिले राष्ट्रीय पुरस्कारों पर विचार करते हुए उन्होंने असम के शैक्षिक परिदृश्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए टीईटी शिक्षकों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थायी नियुक्ति कर राज्य सरकार ने शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नौकरी भ्रष्टाचार के एक भी उदाहरण के बिना दी गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु, गुवाहाटी की सांसद बिजुली कलिता मेधी, खेल और युवा कल्याण आदि मंत्री नंदिता गार्लोसा, असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रुक्म गोहाई बरुवा, स्कूल शिक्षा सचिव एसएन चौधरी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अब तक कुल एक लाख 24 हजार 345 अभ्यर्थियों की नियुक्ति डॉ शर्मा सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। वर्ष 2021 के अंत तक चार हजार 779 उम्मीदवारों का चयन किया गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में 35 हजार 130 और वर्ष 2023 में 55 हजार 593 लोगों को नौकरी दी गई। इसके अलावा इस साल 26 अगस्त तक चार हजार 887 लोगों को नौकरी दी गई।

बच्ची से बलात्कार की ...

और उसकी बेटी के कपड़े उतारने की कोशिश कर रहा था। लड़की की मां को देखकर लड़का घर से भाग गया लेकिन पड़ोसियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। करीमगंज के एसपी पार्थ प्रतिम दास ने सोमवार को बताया कि उन्होंने लड़की के परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। दास ने कहा कि चूंकि आरोपी 15 साल का लड़का है, इसलिए इस मामले की जांच किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) द्वारा की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है और पीड़िता का अनिवार्य चिकित्सा परीक्षण कराया गया है। दास ने कहा कि वह अपराध के बारे में बताने के लिए बहुत छोटी है, लेकिन हमने उसके परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

जांच के लिए एनएचआरसी...

चाहिए। झारखंड पुलिस के अनुसार, अब तक 12 अभ्यर्थियों की मौत की खबर है, जबकि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने यह आंकड़ा चार बताया है। शर्मा ने कहा कि भाजपा एनएचआरसी से अभ्यर्थियों की मौत की जांच करने का आग्रह करेगी। हेमंत सोरेन सरकार को जान गंवाने वाले अभ्यर्थियों के परिजनों को 50 लाख रुपए और नौकरी देनी चाहिए। अगर वे ऐसा करने में विफल रहते हैं तो भाजपा सत्ता में आने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी देगी। झारखंड में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भगवा पार्टी पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करेगी। झारखंड आबकारी कांस्टेबल भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण 22 अगस्त को छह जिलों के सात केंद्रों पर शुरू हुआ और 9 सितंबर तक चलेगा। पुलिस ने बताया कि 30 अगस्त तक कुल 127,772 अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षण के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से 78,023 सफल हुए।

सीबीआई ने आरजी...

कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र में बैठ गए। उन्होंने इस जघन्य अपराध की त्वरित जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते सोमवार सुबह तक वहीं डटे रहने का संकल्प लिया। फिल्म निर्देशक बिरसा दासगुप्ता ने कहा कि हमने अपनी मांग पर ध्यान आकर्षित कराने के लिए प्रशासन को सुबह चार बजे तक की समयसीमा दी थी...लेकिन हमें राज्य के किसी भी विभाग- पुलिस, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल कल्याण, से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि धरने की शुरुआत में हमने इन विभागों को अलग-अलग ई-मेल भेजे और उनसे हमारी शिकायतें सुनने के लिए प्रतिनिधिमंडल को भेजने का आग्रह किया। राज्य सरकार के एक भी प्रतिनिधि ने जवाब नहीं दिया और न ही धरना स्थल पर पहुंचे। अभिनेत्री सोहिनी सरकार ने कहा कि उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शुरू हुई इस विशाल रैली में हिस्सा लेने वाले लोग सुबह चार बजे की समयसीमा समाप्त होने के बाद आंदोलन के आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम धरने के लिए बनाए गए मंच को नहीं हटाएंगे। विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहीं अभिनेत्री स्वस्तिका मुखर्जी ने *दर्व्यवहार से आजादी* और दुष्कर्मियों को कड़ी सजा देने की मांग की। अभिनेत्री ने कहा कि हमारा विरोध अब और मजबूत होगा तथा जारी रहेगा। दुर्गा पूजा के दौरान इसमें ढील दी जाएगी, बहुत सारे निर्धन लोग इस त्योहार पर निर्भर रहते हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संगोष्ठी कक्ष में नौ अगस्त को परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक का शव बरामद किया गया था और चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म तथा हत्या के सिलसिले में एक नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना से देशभर में आक्रोश फैल गया और कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामले की जांच कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर...

यह तरीका सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी के दोषी साबित होने के बाद भी उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में दिशा-निर्देश बनाए जाने की जरूरत है। कोर्ट ने राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश जारी करने के लिए सभी पक्षों से सुझाव मांगा। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा केवल नगर निगम के कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यहां याचिकाकर्ता अदालत के सामने गलत ढंग से मामले को रख रहे हैं। बुलडोजर की कार्रवाई नियमों का पालन करते हुए की गई है। मेहता ने कोर्ट के समक्ष रखे गए मामलों का हवाला देते हुए कहा कि नोटिस बहुत पहले जारी किए गए थे और लोग पेश नहीं हुए। तब जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि अगर किसी की कोई कमी भी हो तो उसका फायदा नहीं उठाना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा कि अगर निर्माण अनधिकृत है, तो ऐसे मामलों में भी कार्रवाई कानून के अनुसार होना चाहिए।

देश के आर्थिक विकास ...

विविधता का लाभ मिलता है। देश के आर्थिक विकास में सहकारिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमूल और लिज्जत पापड़ जैसे घर-घर में जाने जाने वाले ब्रांड सहकारिता की ही देन हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, तो इस सफलता में सहकारी समूहों का महत्वपूर्ण योगदान है। लगभग सभी राज्यों में सहकारी समितियां मुख्य रूप से दूध उत्पादों का उत्पादन और वितरण करती हैं। केवल दूध ही नहीं, सहकारी संस्थाएं उर्वरक, कपास, हैंडलूम, हाउसिंग, खाद्य तेल और चीनी जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं ने गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन तेजी से बदलते इस दौर में उन्हें खुद को बदलने की जरूरत है। उन्हें जितना संभव हो सके तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए और प्रबंधन को और अधिक पेशेवर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई सहकारी संस्थाएं पूंजी और संसाधनों की कमी, गवर्नेंस और प्रबंधन तथा कम भागीदारी जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अधिक से अधिक युवाओं को सहकारी संस्थाओं से जोड़ना महत्वपूर्ण हो सकता है। युवा शासन और प्रबंधन में तकनीक को शामिल करके उन संस्थाओं को बदल सकते हैं। उन्होंने सहकारी संस्थाओं को जैविक खेती, भंडारण क्षमता निर्माण और ईको-टूरिज्म जैसे नए क्षेत्रों की खोज करने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी उद्यम की सफलता का असली राज उसका आम लोगों से जुड़ाव है। इसलिए सहकारिता की सफलता के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता बहुत जरूरी है। सहकारी संस्थाओं में सदस्यों के हितों को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सहकारी संस्था किसी व्यक्ति के निजी स्वार्थ और लाभ कमाने का साधन न बने, अन्यथा सहकारिता का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। सहकारिता में किसी एक के एकाधिकार के बजाय वास्तविक सहयोग होना चाहिए। राष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह, जिसमें अधिकतर महिलाएं शामिल थीं, से शिक्षा के महत्व को समझने, नई तकनीक सीखने, दैनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण को महत्व देने, जरूरतमंदों की मदद करने तथा देश के विकास में योगदान देने के लिए हमेशा तत्पर रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भारत को विश्व मंच पर उच्च स्थान पर पहुंचाएंगे।

सेबी चीफ पर ...

सेबी अध्यक्ष होने के बावजूद आईसीआईसीआई बैंक से वेतन ले रही थीं। उन्होंने कहा कि सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच 2017 से 2024 के बीच आईसीआईसीआई बैंक से 16 करोड़ 80 लाख रुपए की नियमित आय ले रही थीं। वो सेबी की पूर्णकालिक सदस्य हैं, फिर आप आईसीआईसीआई से वेतन क्यों ले रही थीं, ये बड़ा सवाल है। ये नियमों का उल्लंघन है। इसके बाद 2019-20 में उनकी सैलरी बढ़ भी जाती है। कांग्रेस ने इसी के साथ सवाल किया कि सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है? यह कैबिनेट, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नियुक्ति समिति है। सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए इस समिति में दो सदस्य हैं और वही जिम्मेदार है। कांग्रेस नेता ने ये भी आरोप लगाया कि सेबी चीफ तीन जगह से वेतन ले रही थीं। उन्होंने कहा माधवी आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल और सेबी से सैलरी ले रही थीं। बता दें कि कुछ दिनों पहले शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग की एक रिपोर्ट में आरोप लगाए थे कि सेबी चेयरमैन ने अदानी की शैल कंपनियों में पैसे लगा रखे हैं। हालांकि, सेबी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया था।

भाजपा का सदस्यता ...

जब तक जिस संगठन के माध्यम या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है, वो ईकाई, वो संगठन और वो दल अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है, उसमें आंतरिक लोकतंत्र निरंतर पनपता नहीं है तो वैसी स्थिति बनती है जो आज देश कई दलों को हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक मात्र दल है, जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरशः लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है और जन-सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाते रहता है। प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से देश के सीमावर्ती गांवों से सदस्यता अभियान की शुरुआत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें इन गांवों में एक विशेष इकाई बनाकर सदस्यता अभियान चलाना चाहिए और पूरे गांव को भाजपा का सदस्य बनाना चाहिए। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि ये सदस्यता अभियान पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि सदस्यता अभियान की शुरुआत सबसे कमजोर मतदान केंद्र से करनी चाहिए जहां पार्टी को सबसे कम वोट मिले हों। चुनौतियों को चुनौती देना भाजपा की रगों में है। जहां लोग भाजपा को स्वीकार करते हैं, वहां सदस्य बनाना आसान है। हालांकि, हमें वहां सदस्य बनाने की जरूरत है जहां हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने जनसंघ के दिनों में पार्टी कार्यकर्ता द्वारा दीवारों पर दीपक पेंट करने और विपक्षी दलों के नेता के भाषणों में इसका मजाक उड़ाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए कहा जाता था कि उसका एक पैर रेल में होता है और दूसरा जेल में होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा के लिए सदस्यता अभियान परिवार विस्तार है न कि आंकड़ों का खेल। ये सदस्यता अभियान एक पूर्णरूप से वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन भी है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि ये जो सदस्यता अभियान होगा, जो संगठन की संरचना होगी उसी कालखंड में विधानसभाओं और लोकसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू हो गया होगा। महिलाओं के लिए अगर ये 33 प्रतिशत आरक्षण इसी कालखंड में आने वाला है तो क्या मेरे सदस्यता अभियान में मैं वैसे सभी लोगों को जोड़ूंगा, जो मेरी पार्टी के इतने महत्वपूर्ण निर्णय में अधिकतम महिलाओं को विजयी बनाकर एमएलए, एमपी बना सकें।

ढाका अस्पताल में ...

ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में चिकित्सकों पर हमले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी भी शामिल है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने डीएमसीएच परिसर में मीडिया से कहा कि जितनी जल्दी वे हमारी मांगें मान लेंगे, उतना ही बेहतर होगा। हमारी मांगें पूरी होते ही हम (मरीजों का) इलाज शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि नर्सों ने भी चिकित्सकों के साथ एकजुटता व्यक्त की और काम पर आने से इनकार कर दिया। यह पूछे जाने पर कि यदि इलाज के अभाव में किसी की मौत हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि ऐसी किसी भी घटना के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। चिकित्सकों ने देश की सभी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में सशस्त्र *स्वास्थ्य पुलिस* की तैनाती के माध्यम से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की।

मणिपुर में ड्रोन से ...

वीडियो भी वायरल हुआ। इस बीच एक फैक्ट चेक टीम ने पूरी जांच कर दावा किया है कि यह पूरा वीडियो गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। दरअसल, यह वीडियो म्यांमार का है, मणिपुर का नहीं। फैक्ट चेक टीम का दावा है कि यह वीडियो 02 जून का है, जब म्यांमार में एंटी जनता फोर्सेस ने ड्रोन का प्रयोग किया और म्यांमार की सेना को निशाना बनाया। ड्रोन से गिराए गए बम में म्यांमार की सेना के दो जवान शहीद हो गए थे। फैक्ट चेक टीम का दावा है कि म्यांमार के इस वीडियो को मणिपुर का बताकर जारी किया गया।

कैबिनेट : कृषि एवं ...

फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों का जीवन बेहतर करने के लिए सरकार ने आज सात बड़े फैसले लिए हैं। इसके तहत 2817 करोड़ रुपए की लागत से डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, 3979 करोड़ से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान, 2291 करोड़ से प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान को सुदृढ़ बनाना, 1702 करोड़ से सतत पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन, 860 रुपए के कुल परिव्यय के साथ बागवानी का सतत विकास, 1,202 करोड़ रुपए से कृषि विज्ञान केंद्र का सुदृढ़ीकरण और 1,115 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे सात कार्यक्रम शामिल हैं।

हिंसा रोकने में विफल ...

को हटा दिया जाए जो ज्यादातर मूकदर्शक के रूप में मौजूद रहते हैं। उन्होंने इस बात को माना कि राज्य सरकार और जनता के साथ सहयोग की कमी के कारण हाल में असम राइफल्स की कुछ इकाइयों को वापस बुलाने की कार्रवाई की गई। सिंह ने कहा कि हम असम राइफल्स की कुछ इकाइयों को हटाने की कार्रवाई से खुश हैं, जो राज्य सरकार और जनता के साथ सहयोग नहीं कर रही थीं। यदि इन और अन्य केंद्रीय बलों की उपस्थिति हिंसा को नहीं रोक सकती है तो बेहतर है कि उन्हें हटा दिया जाए और राज्य बलों को कार्यभार संभालने तथा शांति लाने दिया जाए। भाजपा विधायक ने प्रस्ताव रखा कि केंद्र सरकार एकीकृत कमान प्राधिकरण को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार को हस्तांतरित करे। उन्होंने हिंसा को रोकने में वर्तमान व्यवस्था को अप्रभावी बताते हुए इसकी आलोचना की तथा तर्क दिया कि इस समय एकीकृत कमान को निर्वाचित सरकार को हस्तांतरित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य सरकार को एकीकृत कमान सौंपनी होगी और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति लाने के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार कार्य करने की अनुमति देनी होगी। पिछले वर्ष राज्य में हिंसा भड़कने के बाद गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक कुलदीप सिंह को मणिपुर सरकार का सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया था।

वाहनों से जुर्माना वसूली पर गौहाटी हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भेजा नोटिस

गुवाहाटी (हिंस)। यातायात नियमों के उल्लंघन के नाम पर कथित अवैध रूप से पुलिस की जुर्माना वसूली के खिलाफ गौहाटी हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार को नोटिस भेजा है। इस मामले में अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। सोमवार को जनहित याचिका (पीआईएल) पर गौहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की खंडपीठ ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राज्य के वरिष्ठ अधिवक्ता बेनुधर दास की दायर जनहित याचिका में लगाए गए आरोपों पर जवाब देने के लिए अभियोजन पक्ष को नोटिस जारी किया है। याचिका पर अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। याचिकाकर्ता ने सवाल किया था कि पुलिस और परिवहन विभाग कोर्ट में चालान भेजे बिना जुर्माना कैसे वसूल सकता है। अधिवक्ता ने कहा कि जुर्माना जमा नहीं करने वालों को प्रदूषण प्रमाण पत्र देने, कार स्वामित्व के हस्तांतरण, आरसी

के नवीनीकरण, पंजीकरण पत्र के नवीनीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण आदि से रोक दिया जाता है। केवल पैसे के लिए इस प्रक्रिया के माध्यम से दंड एकत्र करना अवैध है। अधिवक्ता ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 179 (1) और 183 (1) के तहत कोर्ट को मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज करने की आवश्यकता है, लेकिन असम सरकार और असम सरकार के परिवहन विभाग ने अधिनियम का उल्लंघन करते हुए राज्य के लोगों से जुर्माना वसूलकर रिकॉर्ड बनाने पर तुली हुई है। अधिवक्ता ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 179 (1) और 183 (1) के अनुसार यदि कोई व्यक्ति मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करता है तो इस अधिनियम के उल्लंघन का मामला पहले कोर्ट के पटल पर भेजा जाना चाहिए, लेकिन असम सरकार और राज्य का परिवहन विभाग इस नियम का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों का मामला कोर्ट में न ले जाकर केवल एसएमएस भेजकर ई-चालान के माध्यम से जुर्माना वसूलना विभाग के लिए आम बात हो गई है। असम सरकार ने यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए कानून का उल्लंघन करके जुर्माने का भुगतान करने और यातायात अधिनियम को बनाए रखने के लिए असम के लोगों के उत्पीड़न से राहत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

रिपुन बोरा की कांग्रेस में वापसी पर निर्णय एआईसीसी लेगा : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रिपुन बोरा के कांग्रेस में शामिल होने के संबंध में निर्णय ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रिपुन बोरा प्रदेश कांग्रेस के सर्वोच्च प्रदेश अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं, इसलिए रिपुन बोरा के विषय में निर्णय लिया जाना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। यदि एआईसीसी से कहा जाएगा तो वह (भूपेन बोरा) प्रदेश कांग्रेस के साथ ही ब्लॉक तथा जिला कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से इस संदर्भ में बात कर सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 8 सितंबर को चराईदेव में प्रदेश कांग्रेस के वर्धित कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी के सदस्यों

के साथ ही कांग्रेस के जिला एवं प्रखंड अध्यक्ष भाग लेंगे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी महासचिव आदि भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। प्रस्ताव के रूपरेखा एपीसीसी द्वारा तैयार की जा चुकी है। इस प्रस्ताव पर बैठक में चर्चा करने के बाद इसे पारित किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष बोरा आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

आब्सू के वार्षिक अधिवेशन में आमंत्रित होंगे गृहमंत्री अमित शाह

गुवाहाटी (हिंस)। आल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के 57वें वार्षिक अधिवेशन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस बार भी आमंत्रित किया जाएगा। फरवरी के पहले सप्ताह में दोतमा में यह आयोजित किया जाएगा। विधायक लॉरेंस इस्लारी ने आज मीडिया को बताया कि गृहमंत्री अमित शाह को चार दिवसीय कार्यक्रम के साथ होने वाले आब्सू के 57वें वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी आमंत्रित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए दोतमा हायर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में आयोजित एक बैठक में स्वागत समिति व 20 उप समितियों का गठन किया गया। इसमें मुख्य स्वागत समिति का गठन किया गया, जिसमें एबीएसयू के पूर्व महासचिव और कोकराझाड़ विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा विधायक लॉरेंस इस्लारी को अध्यक्ष और शंकरलाल ब्रह्म को संयोजक बनाया गया।

भारी मात्रा में गांजा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर में पुलिस ने एक व्यक्ति को भारी मात्रा में गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि दुकान में गुप्त रूप से गांजा बेचने संबंधी सूचना के आधार पर एक गुप्त अभियान चलाया गया। अभियान में पुलिस ने माटियाबग हीरापारा पंचम ब्लॉक गांव स्थित उक्त किराने की दुकान से भारी मात्रा में गांजा जब्त करने में कामयाबी हासिल की। गिरफ्तार युवक की पहचान खगेन हीरा के रूप में हुई है। युवक को गौरीपुर पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

रेल कर्मचारियों के उन्नत ज्ञान के लिए वर्चुअल रियलिटी और मिक्सड रियलिटी प्रशिक्षण मॉड्यूल

गुवाहाटी (हिंस)। संरक्षा संबंधी पहलुओं पर रेल कर्मचारियों के ज्ञान को बेहतर करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने अलीपुरद्वार स्थित अपने बहु-विषयक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (एमडीजेडटीआई) में एक अभिनव वर्चुअल रियलिटी एंड मिक्सड रियलिटी (वीआर और एमआर) प्रशिक्षण मॉड्यूल लागू किया है। भारतीय रेल मॉड्यूल के सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण के लिए यह डिजिटल हब ट्रेन परिचालन से जुड़े सभी रनिंग और संरक्षा कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है। प्रशिक्षुओं को हेडसेट और

जॉयस्टिक के उपयोग के साथ संबंधित कार्य प्रकृति पर एक व्यापक ट्यूटोरियल मार्गदर्शन किया जा सकता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया है कि इससे पहले, प्रशिक्षण दो चरणों अर्थात सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप में थे, जिसके लिए कक्षा शिक्षण और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाते थे। हालांकि, तकनीकी प्रगति और वीआर एवं एमआर प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरूआत के साथ, वास्तविक समय का अनुभव प्राप्त किया जा सकता है। इस उन्नत मॉड्यूल ने वास्तविक समय की स्थिति में मानक मापदंडों तक पहुंच में सुधार करने में भी मदद की। अब तक कुल 2020 प्रशिक्षुओं यानी 516 स्टेशन प्रबंधकों, 372 ट्रेन प्रबंधकों, 555 लोको पायलट, 550 सहायक लोको पायलट और पी. वे के 27 जूनियर इंजीनियरों एवं वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियरों को इस वीआर एवं एमआर मॉड्यूल के तहत सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया है। उन्नत प्रशिक्षण प्रथाओं के लिए वर्चुअल रियलिटी एंड मिक्सड रियलिटी का उपयोग विशेष अनुसूची का ज्ञान प्राप्त करने में प्रशिक्षुओं के समग्र परिप्रेक्ष्य को बदल देगा। इस अभिनव प्रशिक्षण दृष्टिकोण की शुरूआत न केवल फ्रंटलाइन कर्मचारियों की प्रभावशीलता को बढ़ाएगी, बल्कि रेलवे नेटवर्क के अधीन संरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता पर भी जोर देगी।

दो बच्चों के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमएच बरभुइयां ने आज कुचिरा त्रिपुरा नामक व्यक्ति को दो बच्चों की जघन्य हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोप तय होने के छह महीने अंदर ही यह फैसला सुनाया गया। 2 सितंबर, 2023 को यह घटना हुई थी। सरकारी अभियोजक शांतनु शर्मा ने कहा कि पुलिस द्वारा समय पर आरोप पत्र प्रस्तुत करने के कारण ही त्वरित फैसला संभव हो सका है। काटलीचेरा थाना (केस नंबर 192/23) अंतर्गत बच्चों के पिता बुरांजय त्रिपुरा द्वारा इस संबंध में मामला दर्ज कराया गया था। ज्ञात हो कि 7 वर्षीय धनंजय त्रिपुरा और 12 वर्षीय सरनाजॉय त्रिपुरा का शव मिजोरम के कटनाला गांव में एक खाली पड़े तालाब में सिर पर गंभीर चोट के साथ बरामद किया गया गया। जांच में पता चला कि आरोपी कुचिरा त्रिपुरा ने बच्चों पर उस समय हथियार से हमला किया था, जब वे उसके घर के पास बांस की लकड़ियां इकट्ठा कर रहे थे। बाद में उसने अंधेरे की आड़ में उनके शवों को तालाब में फेंक दिया था।

सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे कोकराझाड़

कोकराझाड़ (विभास)। असम राज्य सफाई कर्मचारी आयोग (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय) के अध्यक्ष बैजनाथ बासफोर आज कोकराझाड़ दौर पर पहुंचे। कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन में पहुंचे ही ऑल बासफोर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष बिसल बास्फोर के नेतृत्व में काफी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया।स्वागत कार्यक्रम के बाद बैजनाथ बासफोर ने सफाई कर्मचारी के कॉलोनी का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोकराझाड़ अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, कोकराझाड़ म्युनिसिपल बोर्ड, सीआईटी कोकराझाड़, एनटीपीसी सालाकाटी और फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड का दौरा भी किया। जहां उन्होंने सफाई कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी सूध ली। इसके अलावा उन्होंने सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं सहित कई अन्य सस्याओं की जानकारी भी ली।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत तीन घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खेत्री थाना क्षेत्र के पास हुई एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार की सुबह गुवाहाटी से नगांव की ओर जा रही महिन्द्रा थार वाहन (एएस-02एक्यू-4999) अनियंत्रित होकर खेत्री इलाके में स्थित फ्लाईओवर पर डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसकी वजह से एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। तीनों घायलों को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) भेजा गया है। मृतक की पहचान नगांव के हिमांशु नाथ के रूप में की गई है।

बीटीसी प्रमुख ने कोकराझाड़ में मोती की खेती के लिए उन्नत ऑपरेशन रूम का किया उद्घाटन

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने 2 सितंबर को कोकराझाड़ के तितागुड़ी स्थित समाबाई भवन में अत्याधुनिक *मोती की खेती में शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए ऑपरेशन रूम* का उद्घाटन किया। बीटीआर के सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस ऑपरेशन रूम का उद्देश्य क्षेत्र में उत्पादित मोतियों की गुणवत्ता और उपज में सुधार के लिए उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीक प्रदान करना है। इस पहल का नेतृत्व स्वरंग नाशपाती प्रसंस्करण एवं संबद्ध सहकारी समिति द्वारा किया जा रहा है, जो बीटीआर में मोती की खेती में शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उम्मीद है कि यह नई सुविधा स्थानीय मोती किसानों को उनके कौशल और संचालन को बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके सहायता प्रदान करेगी, जिससे अंततः बोड़ोलैंड में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने बीटीआर में महिलाओं को सशक्त बनाने में बड़े पैमाने पर मोती की खेती की क्षमता पर

प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया, तथा उन्हें अपनी आजीविका में सुधार के लिए इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीईएम ने सहकारिता विभाग की भूमिका पर संतोष व्यक्त किया तथा शासन के प्रति पारदर्शी, कुशल और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के प्रति बीटीसी प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसका उद्देश्य बोड़ोलैंड के विकास परिदृश्य में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कार्यक्रम के भाग के रूप में, बीटीसी प्रमुख ने मोती उत्पादन तकनीक में अपना प्रशिक्षण पूरा करने वाले 16 प्रशिक्षुओं को शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ प्रमाण-पत्र वितरित करने की भी पहल की। कार्यक्रम का संचालन करने वाले सहकारिता विभाग के परिषद प्रमुख जयंत खेरकटारी ने क्षेत्र में मोती उत्पादन की भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बीटीआर के विकास में सहकारी आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया तथा बताया कि स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग से किस प्रकार सतत विकास हो सकता है। कोकराझाड़ के एआरसीएस प्रभारी निजाम उद्दीन तालुदार, डीडीएम नाबार्ड के. पुरकायस्थ तथा एपेक्स बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने भाषण में मोती उत्पादन के संभावित लाभों तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की। उद्घाटन कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा एमसीएलए माधब छेत्री, बीटीसी सहकारिता संयुक्त सचिव पामी ब्रह्म, असम पर्ल डेवलपमेंट कोऑपरेटिव सोसाइटी की अध्यक्ष स्वर्णलता देवी, मोती विशेषज्ञ रुरेन हजारिका, प्रशिक्षु और मोती उत्पादन में रुचि रखने वाले अन्य लोग उपस्थित थे।

तेजपुर के बाली चापरी में जंगली हाथी की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के तेजपुर बाली चापरी इलाके में फिर एक जंगली हाथी मृत अवस्था में पाए जाने का मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने सोमवार को बताया कि जिले के कालीबाड़ी इलाके से कुछ रोज पहले जंगली हाथी के एक झुंड को वन विभाग की टीम ने ब्रह्मपुत्र की ओर खदेड़ा था। हाथी के झुंड से अलग होकर एक हाथी अपने बच्चों के साथ बाली चापरी इलाके में आश्रय लिए हुए था। हाथी का एक पैर में जख्म होने की वजह से हाथी काफी कमजोर हो गया था। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा वन विभाग को दिए जाने के बावजूद भी वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जिसकू वजह से हाथी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम पशु चिकित्सकों के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल के करीब ही मृत हाथी का पोस्टमार्टम के बाद उसके शव को दफना दिया गया। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने बोड़ोलैंड के विकास के प्रयासों में व्यावसायियों से किया आह्वान

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने कोकराझाड़ स्थित बीटीसी सचिवालय में बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के अंतर्गत सभी वैधानिक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों को बोड़ोलैंड के विकास में तेजी लाने वाली परियोजनाओं को शुरू करने के लिए नवीन विचारों को अपनाने का निर्देश दिया। व्यावसायिकता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने प्रभावी और कुशल परिणाम प्राप्त करने के लिए संबंधित क्षेत्रों में ई एंड पर्ट कंसल्टेंसी फार्मों और विश्वसनीय भागीदारों की सेवाओं का उपयोग करने का आग्रह किया। समीक्षा के दौरान, प्रमुख प्रमोद बोरो ने बोड़ोलैंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (बीटीडीसीएल), बोड़ोलैंड व्यापार और उद्योग विकास निगम लिमिटेड (बीटीआईडीसीएल), बोड़ोलैंड इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग अथॉरिटी (बीआईएफए) और बोड़ोलैंड कैंसर केयर ट्रस्ट सहित प्रमुख वैधानिक निकायों के कामकाज और प्रदर्शन की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने इन संगठनों द्वारा की गई विभिन्न पहलों का मूल्यांकन किया और उनकी प्रगति पर अद्यतन जानकारी

मांगी, तथा उनसे अपनी परियोजनाओं को बोड़ोलैंड के विकास और समृद्धि के व्यापक दृष्टिकोण के साथ जोड़ने का आग्रह किया। अपने संबोधन में, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और समग्र क्षेत्रीय उन्नति को आगे बढ़ाने में योजना और नवाचार के महत्व को दोहराया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन निकायों द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं टिकाऊ होनी चाहिए और बोड़ोलैंड के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना चाहिए, जिससे यह अवसर और प्रगति का केंद्र बन सके। बीटीसी प्रमुख ने बोड़ोलैंड के लोगों के कल्याण के लिए आवंटित धन के उचित उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए वैधानिक निकायों के बीच स्पष्ट योजना, जवाबदेही और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने किसी भी अंतर की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी और मूल्यांकन का आह्वान किया कि विकासात्मक पहल सही रास्ते पर हैं। बैठक में बीटीसी के सचिव जतिन बोरा सहित संबंधित निकायों के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और बीटीआर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

No.GDB/BTC/SOPD/261/2019-20/674 *Dtd.23/08/2024*

INVITING SHORT NOTICE TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty five) only eventually to be drawn in APWD, F-2 Form are invited from Govt, registered contractor/Farm of appropriate class with sound financial background fulfilling the eligibility criteria for execution of the different works as details shown in scheme list. Particulars , term & conditions and tender paper may be obtained from the office of the undersigned on any period mention working day on payment of non refundable Rs. 500.00(Rupees Five hundred) only in cash for each act of tender paper and non refundable 0.03% only in cash for each act of tender paper Demand Draft to be drawn in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at Kokraihar.

Period of Collection of Tender documents	To be obtain from the office of the 3DO Gobardhana Dev. Block on any working days /hours upto 5.00PM from 04/09/2024 to 13/09/2024				
Last date and time for Submission of tender	Sealed tenders in prescribed format for every individual work will be received by the office up to 2.00 Noon on 13/09/2024				
Date & time of opening of tender	The Sealed tenders will be opened at 2.30PM on 13/ 09/ 2024				
Name of Works	Sl.N 0	Name of Schemes	Approx Value of work(Rs.)	Earnest Money(1%) for ST/SC and 2% for Gen /Farm and	Time of Completio n
	1	Const. Of earth filling and sand gravelling on road from 1149 No. Ata Bajegaon L.P. School to Sericulture road in Bajegaon Village under SOPD -G fund for the year 2024-25	Rs. 9,00,000.00	(1%)Rs. 9000/- (2%)Rs. 18000 /-	180days
Approx(Estimated) Value of the work	Shown in the scheme list				
Earnest Money	The contractors /Farms have to enc'osed 2% Earnest money (1% for ST /SC) with the tender paper as details shown in the scheme list				
Time of -completion	Shown in the scheme list				
Eligibility criteria (Minimum)	The contractors should have the experience of having successfully completed similar works during the last 5 years.				

The tender /tenders must be submitted with the requisite Earnest Money Deposit(EMD) in the form of deposit at call/Demand Draft to be drawn in favour of the BDO, Gobardhana Dev. Block payable at Barpeta Road .Tender not • accompanied by the Earnest Money Deposit (EMD) is liable to be rejected .

Sealed tender in the prescribed tender form shall be addressed to the Block Development Officer Cum Chairman , Tender Committee, Gobardhana Dev. Block , Barpeta Road , Dist.-Baksa, P.S.- Barpeta Road, Pin-781315,Assam . Tenders received after above date & time will not be accepted . The undersigned reserve the right to issue the tender papers to the tenderers and to accept or reject /cancel any or all the tenders if the situation compel to do so without assigning any reason thereof and DOES NOT BIND HIMSELF TO ACCEPT THE LOWEST QUOTED RATE OF TENDER.

UNSEALED TENDER WILL SUMMARILY BE REJECTED.

Sd/-Block Dev.Officer cum Chairman
Tender Committee Gobardhana Dev. Block,
Barpeta Road.

IPR(BTC)/C/2024-25/440

संपादकीय

दिव्यांग बेटियों के इतिहास

इस बार देश की दिव्यांग बेटियों ने भी चैम्पियन और पदकवीर बनकर भारत को गौरवान्वित किया है। अजीब संयोग है कि ओलंपिक में मनु भाकर ने पदक जीत कर भारत का खाता खोला था और पैरालंपिक में भी अवनि लेखरा ने स्वर्ण पदक जीत कर इस सिलसिले को स्वर्णिम बना दिया। दोनों ही खिलाड़ी निशानेबाज हैं। पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधूरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को बांध नहीं सकीं और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। राजस्थान की अवनि लेखरा ने तो इतिहास ही रच दिया, जब टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी उन्होंने निशानेबाजी का स्वर्ण पदक हासिल किया। अभी तो प्रतियोगिताएं शेष हैं। इस बार अवनि का लक्ष्य है कि 'गोल्डन हैट्रिक' जीत कर ही वह घर लौटेंगी। उन्होंने अपने पापा से यह वायदा किया है। यह असाध्य भी नहीं है, क्योंकि टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने दो स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते थे। यदि वह अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाती हैं, तो भारत और एशिया की प्रथम दिव्यांग महिला निशानेबाज होंगी। निशानेबाजी में ही, राजस्थान की ही, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर एक और मील-पत्थर स्थापित किया है। आज मोना 37 वर्षीय और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उन्हें वह लम्हा आज भी याद है, जब उन्होंने घर छोड़ा था, क्योंकि उन पर शादी का दबाव बनाया जा रहा था। मोना को 2016 से पहले तक यह भी नहीं पता था कि पैरालंपिक खेल भी होते हैं। निशानेबाजी में मात्र 3 साल के अनुभव ने ही उन्हें पैरालंपिक पदकवीर बना दिया। कभी कल्पना की जा सकती थी कि दिव्यांग, धावक बेटी 100 मीटर की दौड़ में हिस्सा लेगी और पैरालंपिक में कांस्य पदक विजेता बनेगी? कमोबेश हमने तो ऐसी कल्पना नहीं की थी, लेकिन मेरठ की प्रीति पाल ने यह लक्ष्य हासिल कर 'अभूतपूर्व कारनामा' करके दिखा दिया। पिता ने दूध बेचकर और अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर दिव्यांग बेटी को पैरालंपिक पदकवीर बनाकर तमाम विरोधाभासों को खारिज कर दिया। निशानेबाजी में ही रुबीना फ्रांसिस के खेल को विस्मृत नहीं कर सकते। उन्होंने भी कांस्य पदक हासिल किया। इन बेटियों को सलाम! शाबाश! सोचिए, किसी दुर्घटना में बेटी अपाहिज हो गई। किसी को प्रकृति ने ही विकलांग जन्म दिया। किसी को बीमारी ने आधा-अधूरा कर दिया। किसी का निचला हिस्सा बिलकुल निष्क्रिय है, किसी की टांगें नहीं रहीं, किसी की एक बाजू और पांव टेढ़ा है, किसी को कृत्रिम अंग लगवाने पड़े हैं। कितनी तकलीफ, कितनी यंत्रणा और कितने तनाव से गुजरी होंगी ये खिलाड़ी बेटियां! उसके बावजूद ये सफलताएं अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर हासिल की हैं। वाह! देश की चैम्पियन बेटियो! यहां हमें जम्मू-कश्मीर की 17-18 वर्षीय शीतल देवी की याद आती है, जो मुंह और पांव की अंगुलियों से प्रत्यंचा खींच कर तीरंदाजी करती हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने 703 का स्कोर बनाया था और 698 के पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह दीगर है कि खेल के दौरान ही उनका विश्व रिकॉर्ड एक अंक से टूट गया। बेशक शीतल पदकवीर नहीं बन पाईं और एक अंक से पिछड़ गईं, लेकिन उनकी सटीक तीरंदाजी को देख कर लगता है मानो उनके भीतर कोई दैवीय शक्ति विराजमान हो! ये सभी बेटियां पदकवीर खिलाड़ी तो बन चुकी हैं, लेकिन जिंदा इतिहास भी हैं। इतिहास की शिलालेख भी हैं। इन खिलाडियों ने अनथक परिश्रम किया है, संघर्षों से गुजरी हैं, आर्थिक स्थितियां भी अच्छी नहीं थीं, फिर भी भारत का 'तिरंगा' लहराया है और पैरालंपिक के दौरान 'जन गन...' भी गूंजा है। ये कम उपलब्धियां नहीं हैं। बेशक सरकार इन खिलाडियों को आर्थिक मदद दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण दिलाए हैं, फिर भी प्रतिभा तो खिलाडियों की है, जो नए प्रतिमान स्थापित कर रही है। अब भी भारत पैरालंपिक में 20वें स्थान पर है।

पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधूरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को बांध नहीं सकीं और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। राजस्थान की अवनि लेखरा ने तो इतिहास ही रच दिया, जब टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी उन्होंने निशानेबाजी का स्वर्ण पदक हासिल किया। अभी तो प्रतियोगिताएं शेष हैं। इस बार अवनि का लक्ष्य है कि 'गोल्डन हैट्रिक' जीत कर ही वह घर लौटेंगी। उन्होंने अपने पापा से यह वायदा किया है। यह असाध्य भी नहीं है, क्योंकि टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने दो स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते थे। यदि वह अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाती हैं, तो भारत और एशिया की प्रथम दिव्यांग महिला निशानेबाज होंगी। निशानेबाजी में ही, राजस्थान की ही, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर एक और मील-पत्थर स्थापित किया है। आज मोना 37 वर्षीय और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उन्हें वह लम्हा आज भी याद है, जब उन्होंने घर छोड़ा था, क्योंकि उन पर शादी का दबाव बनाया जा रहा था।

महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है।

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई। छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं,

बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है।

दृष्टि कोण

चीन से घटाना होगा व्यापार घाटा

हाल संभावनाओं को साकार किए जाने के चार प्रमुख आधार हैं। एक, चीन से निकलते बड़े उद्योगों, बड़ी कंपनियों और निवेश के भारत की कमियों में आने की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। इससे भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत होगा। दो, चीन प्लस वन रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में निर्यात बढ़ा सकता है। साथ ही अमरीका सहित यूरोपीय व कई विकसित देश चीन से आयात घटाने के लिए चीनी उत्पादों पर जिस तरह असाधारण आयात प्रतिबंध लगा रहे हैं, उससे इन देशों में भारत के उत्पादों का निर्यात बढने की नई संभावनाएं हैं। तीन, देश से चीन को कृषि पदार्थों और खाद्य प्रसंस्करण निर्यात में तेज वृद्धि की जा सकती है। चार, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए गए वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किए गए प्रावधानों से भारत के आयात घटने व निर्यात बढने की संभावनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि वैश्विक वित्तीय कंपनी नोमूरा ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन से ग्लोबल कंपनियां बाहर निकल रही हैं जिसका बड़ा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। नोमूरा के द्वारा चाईना प्लस वन स्ट्रेटजी पॉलिसी को लेकर 130 फर्मों के साथ सर्वे किया गया है। कहा गया है कि खासतौर से भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, सेमीकंडक्टर (एसेंबलिंग, टेस्टिंग), एनर्जी (सोलर) के अलावा फार्मास्युटिकल्स सेक्टर की कंपनियों का भारत में हर संभव सुविधा देकर स्वागत किया जाना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जी-20 की नई शक्ति से सुसज्जित भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश की भूमिका में उभरकर सामने आया है और चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में है। ऐसे में भारत अधिक रणनीतिक प्रयासों से भारतीय बाजार में उद्योग-कारोबार, निर्यात और निवेश के अधिक मौकों को कमियों में ले सकता है। निश्चित रूप से दुनिया के बाजार में चीन का दबदबा तोडने के परिप्रेक्ष्य में यूरोपीय, अमरीका और अन्य कई देश चीन से आयात के बढ़ते खतरों के मद्देनजर चीनी आयातों पर असाधारण आयात प्रतिबंध लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विगत 12 जून को यूरोपीय आयोग ने चीन में बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 48 फीसदी तक आयात शुल्क लगाना सुनिश्चित किया है। पिछले कई वर्षों से यूरोपीय देशों की चीन से आयात पर शुल्क की दरें 10 फीसदी तक ही सीमित रही हैं। ऐसे में विभिन्न देशों के द्वारा चीन से आयात होने वाले अनेक उत्पादों पर लगातार बढ़ता शुल्क चीन के आयातों को हतोत्साहित करने की एक अहम पहल है, ऐसे में इन देशों में भारत से निर्यातों की संभावनाएं बड़ी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि चीन को कृषि निर्यात बढ़ाए जाने की प्रचुर संभावनाएं है, देश से कृषि उत्पाद बढ़ाने के साथ कृषि निर्यात बढ़ाने की रणनीतिक पहल की जा रही है। वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट भी उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है। इस बजट के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इससे चीन का भारतीय बाजारों पर जो दबदबा बना हुआ है, उसमें भी कमी आते हुए दिखाई दे सकती है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। साथ ही इस सेक्टर के आयात में कमी के मद्देनजर प्रावधान किए गए है। निस्संदेह अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढना होगा। इस बात को भी समझना होगा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है।

कुछ अलग

प्रदूषण से जंग

यह खबर उत्साहवर्धक है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया वार्षिक रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' में यह भी चेताया गया है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, पीएम-2.5 हवा में विद्यमान ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो हमारे श्वसनतंत्र पर घातक प्रभाव डालते हैं। उल्लेखनीय है कि एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल ठंड की दस्तक के बाद पराली जलाने और दिवाली पर पटाखे फोड़ने के बाद जो प्रदूषण का बड़ा संकट खड़ा होता है, उसमें हम अपनी जिद व लापरवाही की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दरअसल, पीएम-2.5 कणों की सांद्रता बढ़ाने में हमारी लापरवाही की बड़ी भूमिका होती है, जिसमें सड़कों पर बढ़ते वाहनों का दबाव भी शामिल है। जिसके मूल में हमारी लचर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि शहरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता।

देश दुनीया से

राजनीतिक साये में जर्जर होती अर्थव्यवस्था

व्यावहारिकता का परिक्षण किए वगैर सत्तासीन होने के लिए एक से बढक़र एक अनेक वायदे अपने चुनावी घोषणा पत्र में कर दिए जाते हैं। बाद में जब वायदे पूरे करने में सरकार नाकाम रहती है, तो तरह-तरह के बहाने बनाए जाते हैं। वैसे भी जयराम सरकार के समय में हुए पुलिस भर्ती पेपर लीक कांड, अवैध शराब कांड और ट्रैजेडी, अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग, कमजोर गवर्नेंस और व्यापक भ्रष्टाचार एवं भाजपा के भीतर पनपती आपसी फूट के बाद हिमाचल की जनता बदलाव के मूड में थी, परंतु शायद कांग्रेस कोई चांस नहीं लेना चाहती थी, इसलिए भारी भरकम आत्मघाती वायदों का पिटारा खोल बैठी। कांग्रेस एक अच्छी गवर्नेंस के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वायदे के साथ चुनाव लड़ती, तो भी सत्तासीन हो जाती।

कहने को तो राजनीति समाज सेवा का जरिया है, लेकिन वास्तव में नेताओं ने राजनीति को महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति का रास्ता मान लिया है। व्यावहारिकता का परिक्षण किए वगैर सत्तासीन होने के लिए एक से बढक़र एक अनेक वायदे अपने चुनावी घोषणा पत्र में कर दिए जाते हैं। बाद में जब वायदे पूरे करने में सरकार नाकाम रहती है, तो तरह-तरह के बहाने बनाए जाते हैं। वैसे भी जयराम सरकार के समय में हुए पुलिस भर्ती पेपर लीक कांड, अवैध शराब कांड और ट्रैजेडी, अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग, कमजोर गवर्नेंस और व्यापक भ्रष्टाचार एवं भाजपा के भीतर पनपती आपसी फूट के बाद हिमाचल की जनता बदलाव के मूड में थी, परंतु शायद कांग्रेस कोई चांस नहीं लेना चाहती थी, इसलिए भारी भरकम आत्मघाती वायदों का पिटारा खोल बैठी। कांग्रेस एक अच्छी गवर्नेंस के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वायदे के साथ चुनाव लड़ती, तो भी सत्तासीन हो जाती। हिमाचल कांग्रेस जानती थी कि केंद्र में विपक्ष की सरकार है, जहां से आर्थिक सहायता की उम्मीद नहीं की जा सकती, फिर भी ओपीएस अर्थात पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना चुनावी मुद्दा तय कर लिया, बेशक कांग्रेस ने हर राज्य में इसे चुनावी मुद्दा बनाया हो, परंतु हिमाचल जैसे छोटे से पहाड़ी राज्य में आय का कोई बड़ा साधन न होने के कारण ओपीएस को बहाल कर अब सरकार आर्थिक संकट में आ चुकी है। दूसरी तरफ सरकार की बदकिस्मती से लगातार दो वर्षों से प्रदेश में आ रही प्राकृतिक आपदाओं ने सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। हिमाचल के मुख्यमंत्री का प्रदेश की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए दो माह के लिए स्वयं के, मंत्रियों, मुख्य संसदीय सचिवों के वेतन भत्ते बंद कर विधायकों से वेतन भत्ते न लेने का आग्रह करना सरकार की बेबसी को झलकाता है, इस सबके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा असंवैधानिक पदों पर बिठाए गए सलाहकारों, ओएसडी निगमों और बोर्डों के अध्यक्षों की लंबी चौड़ी फौज से वेतन भत्ते छोडने का कोई आग्रह, अब तक सामने नहीं आया है। आय न हो तो खर्चों पर लगाम लगानी पड़ती है और आय के साधनों पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है, परंतु सरकार ने पुराने ढर्रे पर चल रही सरकारी व्यवस्था को बदलने के बजाय पेट्रोल डीजल पर अतिरिक्त कर लगाने, पूर्व सरकार द्वारा खोले गए अनावश्यक के साथ-साथ जरूरी दफ्तरों, विभागों, स्कूलों को भी बंद कर दिया। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के बजाय भ्रष्टाचार पर सरकार की पकड़ को ढीला कर दिया। भ्रष्ट अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण पदों पर बिठाया गया या उन्हें सेवा-विस्तार दे दिया गया। माननीयों के वेतन भत्तों में कटौती न कर, विधायकों मंत्रियों की दोहरी-तिहरी पेंशन व्यवस्था पर भी कभी विचार ही नहीं किया गया। कांग्रेस पर परिवारवाद के लिए अंगुली उठती रही है, आज भी ऐसे कई विधायक हैं जिनके पिता, सदन के सदस्य रह चुके हैं, ऐसे परिवारों में तीन चार पेंशन आ रही है क्या यह सही है? जब प्रदेश का युवा बेरोजगारी की आग में जल रहा हो और सरकार का खजाना खाली हो तो, प्रदेश के हर विधायक को एक डाटा आपरेटर रखने का अधिकार प्राप्त है, जिसकी एवज में उन्हें पंद्रह हजार रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलता है। हिमाचल विधानसभा हर विधायक को यह भत्ता प्रदान कर रही है, जबकि आरटीआई एक्टिविस्ट आशीष देव भट्टाचार्य द्वारा जून माह में जुटाई गई जानकारी के मुताबिक हिमाचल सचिवालय के पास विधानसभा द्वारा माननीयों को दिए जा रहे इस प्रकार के किसी भत्ते का रिकार्ड ही नहीं है कि कितने विधायकों ने डाटा आपरेटर रखे हैं न ही सचिवालय में डाटा आपरेटर के संबंध में कोई बिल जमा है। ऐसी अव्यवस्था के बीच न केवल माननीयों की मौज हो रही है, बल्कि बेरोजगार युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा भी हो रहा है। माननीयों को पंद्रह हजार रुपए प्रति माह टेलीफोन भत्ता भी दिया जाता है, लैंडलाइन टेलीफोन के जमाने से चली आ रही इस प्रथा का आज के युग में क्या औचित्य रह जाता है, मुख्यमंत्री जी सोचिएगा जरूर। अपने चुनावी हल्फनामे में करोड़ों, अरबों की संपत्ति डिक्लेयर करने वाले एवं आय के विभिन्न स्रोत बताने वाले माननीयों के वेतन के अलावा भत्तों पर अगर नजर दौड़ाएं, तो वो इस प्रकार हैं:प्रतिपूरक भत्ता 5 हजार रुपए प्रतिमाह, विधानसभा क्षेत्र भत्ता 90 हजार, टेलीफोन भत्ता 15 हजार रुपए, कार्यालय भत्ता 30 हजार और डाटा ऑपरेटर भत्ता के लिए 15 हजार रुपए मिलते हैं। यह आम जनता का पैसा है। ये भत्ते उन्हें तब तक मिलते हैं,जब तक वह विधायक रहते हैं। इसके अलावा विधानसभा सत्र की बैठक के लिए प्रति बैठक 1800 रुपए रोजाना दिया जाता है। वहीं, ट्रैवलिंग अलाउंस, फ्री यात्रा सुविधा, आवासीय सुविधा समेत कई तरह की सुविधाएं विधायकों को दी जाती हैं, जो समाज सेवा के नाम पर जनता के दुख दर्द को बांटने के लिए चुने जाते हैं। ऐसी व्यवस्था के बीच व्यवस्था परिवर्तन का नारा दे कर मात्र दो महीनों के वेतन भत्ते उपवास से क्या प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधर जाएगी? प्रदेश के खनिजों से होने वाली आय को विभाग के अधिकारियों एवं माफियाओं की सांठगांठ से चूना लगाया जा रहा है।

आप का नजरीया

भीड़ कम करने के लिए

भीड़ कम करने की वजह हिमाचल के शहरी आवरण को फिर से लिखने की जरूरत सरीखी है। वीरभद्र सिंह के बाद यह पैगाम सुक्खू सरकार ने दिया है कि राजधानी से कुछ कार्यालय जिला मुख्यालयों को रुखसत किए जाएंगे। शांता कुमार सरकार ने बिजली महकमे के कई कार्यालय सुंदरनगर भेजे थे, तो वीरभद्र सिंह ने नार्थ, साउथ व सेंट्रल जोन बनाकर विभागों के क्षेत्रीय कार्यालय और कुछ मुख्यालय स्थानांतरित किए थे। प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालयों का एक और जोन बनाकर हमीरपुर में इनकी तादाद बढ़ाई थी। बेशक शिमला में राजधानी के हिस्से बंटे और इन्हीं से निकला था निचले क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, तपोवन में शीतकालीन सत्र और धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी का सफर। एक बार फिर शिमला की बाहों से भीड़ का बोझ निकाला जाएगा। यह संभव है अगर नगर की डगर पर आसमानों का युद्ध न हो, वरना सत्ता की मंजिलें सियासी भीड़ बन जाती हैं। देखना यह भी होगा कि शिमला से उठा कर भीड़ किस शहर की संपत्ति बनने के लिए उपयोगी सिद्ध होती है। मसलन कृषि विश्वविद्यालय अगर पालमपुर में है, तो कृषि विभाग का निदेशालय वहां हो सकता है। इसी तरह मेडिकल यूनिवर्सिटी मंडी के साथ चिकित्सा निदेशालय व सोलन विश्वविद्यालय के कारण बागबानी का निदेशालय वहां शिफ्ट किए जा सकते हैं। स्कूली बोर्ड शिक्षा व खेल नगरी के रूप में धर्मशाला में शिक्षा, खेल, युवा सेवाएं, भाषा एवं कला-संस्कृति तथा पर्यटन जैसे विभाग भेजे जा सकते हैं। बीबीएन क्षेत्र को प्रदेश की आर्थिक राजधानी का दर्जा देने के लिए उद्योग, प्रदूषण, वित्त निगम तथा औद्योगिक विकास निगम के कार्यालयों का औचित्य वहां बढ़ जाता है। इसके साथ बैंकिंग क्षेत्र की राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय बीबीएन में शिफ्ट कर देने चाहिए। शिमला के उच्च न्यायालय का सर्किट बैंच धर्मशाला में खोलने की दशकों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में भी सरकार को अहम भूमिका निभानी चाहिए। शिमला को मिला राजधानी का दर्जा इसकी ऐतिहासिक विरासत का परचम बुलंद करता है, इसलिए यहां 'राज्य राजधानी क्षेत्र' की तर्ज पर विकास करना होगा। वर्षों से लंबित वाकनाघाट परियोजना को अब शिमला के भविष्य के अनुरूप विकसित करना चाहिए। बेशक शिमला को भीड़ से मुक्त कराने का एक तरीका इजाद हो रहा है, लेकिन भीड़ में मंदिर परिसरों, पर्यटक स्थलों, बढ़ते यातायात की मजबूरियों और परिवहन के दबाव को घटाने की जरूरत है। प्रदेश में दो-तीन शहरों के मध्य कर्मचारी नगर बसा कर नए कार्यालयों के लिए स्थान बनाया जा सकता है। शिमला से कार्यालय शिफ्ट कर देने से राज्य की भीड़ कम नहीं होगी। हमें याद रखना चाहिए कि पांच करोड़ पर्यटक आगमन का इंतजार पुनः शिमला के रिज, सडक़ों और पर्यटक स्थलों को खचाखच भर देगा। ऐसे में हर शहर की भूमिका में निखार लाने से पहले उसके मूल आचरण का वर्गीकरण करते हुए ही विभागों के कार्यालय शिफ्ट करने होंगे।

युवा, किसान, गरीब और महिलाओं को सशक्त बनाना प्रधानमंत्री मोदी का सपना : कंवर पाल

कोचिंग सेंटर के संचालक सहित सैकड़ों युवा छात्र, छात्राएं भाजपा में हुई शामिल

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर के शहीद भगत सिंह चौंक स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर कोचिंग सेंटर के संचालक योद्धा कुमार अपने कोचिंग सेंटर के सैकड़ों युवा छात्र और छात्राओं के साथ भाजपा में शामिल हो गए। कृषि मंत्री कंवरपाल ने सभी का भाजपा परिवार में पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। कृषि मंत्री ने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है। इनकी ऊर्जा और उत्साह से भारतीय जनता पार्टी को बहुत मजबूती मिलेगी। सोमवार को कृषि मंत्री ने अपने जगाधरी स्थित आवास पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा में हर कार्यकर्ता को बराबर मान सम्मान दिया जाता है।

उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए अनेक योजनाएं शुरू की है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के बल पर ही भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। मंत्री कंवरपाल ने कहा कि भाजपा ने युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची नौकरी देकर विश्वास बनाया है। पार्टी युवाओं का सम्मान बढ़ाने का काम कर रही है। भाजपा के प्रयास से खेलों में युवा नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। युवाओं का पार्टी में विश्वास बढ़ा है, इसलिए विभिन्न संगठनों से जुड़े युवा भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने लाखों युवाओं का जीवन बर्बाद किया है। भाजपा सरकार ने युवाओं में खत्म हो रहे आत्म विश्वास को फिर से जगाया है। उन्होंने कहा कि हमें पहले युवाओं ,किसान, नारी व गरीब को सशक्त और खुशहाल करना है। प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाना है। यह इन चारों के विकास से ही संभव है। स्वार्थ से ऊपर उठकर देशहित के बारे में सोचने वाले लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा हैं।

वंदे भारत को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (हिंस)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वंदे भारत एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बिहार में सुरक्षा बढ़ाते हुए कई राज्यों के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर आगाह किया है। वंदे भारत को बम से उड़ाने की धमकी का संदेश एक कर्मचारी के मोबाइल फोन पर आया है। रेलवे सुरक्षा बल ने इस धमकी को गंभीरता से लिया है। खासतौर पर वंदे भारत एक्सप्रेस की निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए हैं। किसी ने नार्दर्न फ्रंटियर रेलवे (असम) क्षेत्र में वंदे भारत को बम से उड़ाने की धमकी का मैसेज व्हाट्स ऐप पर एक रेलकर्मी के पास भेजा है। इस कर्मचारी ने तत्काल यह सूचना वरिष्ठ अफसरों को दी। इसके बाद हाजीपुर जोन आरपीएफ के आईजी ने बिहार, झारखंड, भोपाल और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा है। इसमें धमकी के मद्देनजर सतर्कता बरतने का आदेश जारी किया गया है।

जजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : वीरेन्द्र चौधरी

हिसार (हिंस)। जजपा नेता वीरेंद्र चौधरी ने कहा है कि हमारा लक्ष्य नलवा हलके की सीट को सबसे पहले जीतकर पार्टी के खाते में दर्ज करवाना है। इसके लिए सभी कार्यकर्ता कमर कस लें और अगले एक महीने तक हलके के चप्पे-चप्पे में जाकर पार्टी की जीत को सुनिश्चित करें। वीरेन्द्र चौधरी सोमवार को आजाद नगर में हलके के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में जजपा के सहयोगी दल आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। बैठक में उन्होंने विधानसभा चुनाव बारे सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। वीरेंद्र चौधरी ने सम्मेलन में पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया और कहा कि एक आवाज पर हलके के कोने-कोने से इतनी भारी संख्या में पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने अपने दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठर का परिचय दिया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश के लोगों के हित की जो योजनाएं क्रियान्वित की हैं, उसे सभी कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव कार्यकर्ताओं को ही लड़ना है उनकी मेहनत ही पार्टी की सच्ची ताकत है। इसलिए आप सभी पांच अक्टूबर तक जी-तोड़ मेहनत करके जजपा को हलके में विजयी बनाने का काम करें। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं ने अपने सुझाव व विचार भी रखे। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से हलका प्रधान राजेश झाझडिया, ओम सिंह भेरियां, महाबीर खरब, राजा बैनीवाल, धर्म सिंह घोसला, रणधीर बल्हारा, दलबीर पानू, सतबीर कसवां, अमित पिलानिया सहित पूरे नलवा हलके से भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

लुधियाना में गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार पर महिला से दुष्कर्म का आरोप, गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना जिले में स्थित गुरुद्वारा ठाठ चरण घाट के मुख्य सेवादार बाबा बलजिंदर सिंह को एक महिला के दुष्कर्म के आरोप के बाद गिरफ्तार किया है। थाना सिटी जगराओं में बाबा बलजिंदर सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित महिला का आरोप है कि गुरुद्वारा ठाठ चरण घाट के मुख्य सेवादार बाबा बलजिंदर सिंह ने कई बार होटल और डेरा में बुलाया और उससे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता महिला ने बताया कि पहली बार वह किसी पारिवारिक समस्या को लेकर बाबा के पास गई थी। इसके बाद पिछले दो साल से उसकी बाबा बलजिंदर सिंह से बातचीत हो रही थी। महिला का आरोप है कि मोबाइल पर बाबा ने मुझे ब्लॉक कर दिया है। वह मुझसे बात भी नहीं करता। मैं कई बार बाबा से होटल में मिल चुकी हूं। गुरुद्वारा चरण घाट अखाड़ा नहर के पास भोरा साहिब बना है, वहां पर एक कमरे के अंदर हम मिलते रहे हैं। बाबा ने कहा कि फिजिकल रिलेशन में आ जाओ। साथ रहेंगे और शादी कर लेंगे। महिला के अनुसार जब उसने शादी के लिए कहा तो बाबा ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। महिला को अब लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं।

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर युवाओं का प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। तीन दिन पहले सढौरा में 10 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास मामले में आरोपित को फांसी की सजा देने की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों के युवाओं ने जिला मुख्यालय पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भेजा। सोमवार को इस मामले को लेकर कई सामाजिक संगठनों के युवाओं ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस मौके पर सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि चिराग सिंघल व नितिन गुर्जर ने संयुक्त रूप से बताया कि तीन दिन पहले सढौरा में दस वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास का मामला सामने आया था। स्थानीय लोगों ने आरोपित अधेड़ को लोगों ने मौके पर ही पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। दोनों ने कहा कि हमारी मांग है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में जो कानून बने हैं, वो सख्ती से लागू किया जाए और इस तरह की घिनौनी हरकत और दुष्कर्म के प्रयास वाले मामलों में आरोपित को तुरंत फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाकर एक महीने के अंदर फांसी की सजा दी जाए, ताकि पीड़िता और उसके परिवार को न्याय मिल सके और समाज को भी एक संदेश जाए। उन्होंने कहा कि देशभर में दिन-प्रतिदिन इस तरह के मामले बढ़ते जा रहे हैं और इन पर रोक लगाने का एक ही तरीका है कि फास्ट्रेक कोर्ट के माध्यम से इस तरह के घिनौने कार्य करने वाले अपराधियों को फांसी की सजा तुरंत दी जाए ताकि कोई और भी इस तरह के घिनौने काम करने की हिम्मत भी ना कर सकें।

कैबिनेट मंत्री पटेल ने सुनी आमजन की परिवेदनाएं

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान पटेल ने जोधपुर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए आमजन की समस्याओं को सुना और भरोसा दिलाया की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। जनसुनवाई में आए परिवादियों ने शिक्षा, सड़क, चिकित्सा, विद्युत, पेयजल एवं पंचायतीराज विभाग सहित अन्य आमजन से संबंधित परिवेदनाएं मंत्री पटेल को सौंपी। जिस पर उन्होंने परिवेदनाओं के शीघ्रातिशीघ्र निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पथ अंत्योदय के ध्येय पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभ अंतिम छोर तक पंहुचे, इस उद्देश्य से जनसुनवाई की जा रही है। प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के साथ पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। जनसुनवाई के दौरान पुर्व कुलपति डॉ. गुलाब सिंह चौहान, गणपत सिंह सजाड़ा, सुमेर सिंह राजपुरोहित, खिंवराज जांगिड़, छोटू सिंह राठौड़, महेंद्र सिंह बेरू, श्याम सिंह सजाड़ा, सज्जन सिंह, किशन भींचर सहित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शव लेने से मना कर मोरचरी के आगे बैठे धरने पर, पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप

बीकानेर (हिंस)। जामसर थाना क्षेत्र के खारा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित पीओपी की एक फैक्ट्री में रविवार को हुई युवक की हत्या का मामला तूल पकड़ रहा है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। मृतक के परिजन और भाजपा-कांग्रेस के नेता धरने पर बैठे है। पुलिस ने युवक का पोस्टमार्टम भी करवा दिया, इसके बावजूद परिजनों ने शव लेने से मना कर दिया। धरने पर बैठे लोगों की मांग है कि पहले हत्यारों का गिरफ्तार करों, इसके बाद ही शव लेंगे। लोगों ने इस मामले में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप है। मोर्चरी के बाहर आज भी धरने पर रहे परिजन और गणमान्य लोग बैठे हैं। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने जामसर थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया, लेकिन धरने पर बैठे परिजन अब उनके निलंबन की मांग पर अड़े है। गौरतलब है कि कालासर निवासी नरेंद्र सिंह (32) पुत्र गिरधारी सिंह रविवार को खारा स्थित फैक्ट्री में मृत अवस्था में मिला था। इसके बाद से ही परिजन और ग्रामीण धरने पर बैठ गए थे। पीबीएम की मोर्चरी के बाहर धरना अभी भी जारी है। इसमें भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत, भगवान सिंह मेड़तिया, करणपाल सिंह सिसोदिया, नवीन सिंह, मानसिंह, राजेन्द्र सिंह, श्यामसिंह हाडला, कांग्रेस नेता प्रहलाद सिंह मार्शल सहित कई लोग शामिल है।

आचार संहिता का उल्लंघन किया तो लेंगे एक्शन : विक्रम सिंह

फरीदाबाद (हिंस)। जिला में ऑटो रिक्शा पर लगे अवैध राजनीतिक विज्ञापनों के खिलाफ अब प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। आदर्श आचार संहिता की अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह के निर्देशों पर शहर में आज भी ऑटो रिक्शा के पीछे लगे नेताओं एवं राजनीतिक गतिविधियों के बैनर को तुरंत प्रभाव से हटाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषणा करने के बाद से ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। आदर्श आचार संहिता लागू होते ही जिले में रेलवे स्टेशन रोड, बस स्टैंड, रेलवे पुल, सड़क मार्ग, सरकारी बसों, बिजली खंभों, सरकारी भवनों से बैनर, झंडे को हटाने का काम भी शुरू हो गया है। जिसके तहत जिला में आज ऑटो रिक्शा के पीछे लगे पोस्टर को हटाया गया। सम्बन्धित अधिकारियों का कहना है कि कई जगह टीम लगाकर ऑटो रिक्शा के पीछे लगे पोस्टर को हटवाया जा रहा है। जहां आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत आ रही थी। वहां दोबारा टीम भेज कर कार्रवाई की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी की निर्देशानुसार यदि इसके बावजूद भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता पाया गया, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एक्ट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने पर सफाईकर्मियों ने सभासदों के खिलाफ खोला मोर्चा

जालौन (हिंस)। रामपुरा नगर पंचायत में सफाईकर्मियों ने सोमवार को एकत्रित होकर सभासदों के खिलाफ उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि सफाई कार्य के दौरान सभासद गाली गलौज करते हैं और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। रामपुरा नगर पंचायत में सफाईकर्मियों का आरोप है कि विगत कई महीनों से सभासद अल्ताफ, मोहम्मद जाकिर व सभासद पति गिरजाशंकर आए दिन गाली गलौज करते हैं। इसके अलावा जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही सफाईकर्मी रामलखन, संतोष कुमार व जगराम को उक्त सभासद नौकरी से निकालने की धमकी दे चुके हैं।

इसकी लिखित रूप से शिकायत पुलिस को की जा चुकी है, लेकिन इस मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। उप जिलाधिकारी ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया है।

सरकार की बीस विशेष रिट अपील खारिज

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश चंद्रशेखर एवं कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने नर्सिंग ऑफिसर व महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती 2018 में एकलपीठ के फैसले को यथावत रखते हुए राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2021 में दायर सभी बीस विशेष रिट अपीलों को खारिज कर दिया है। साथ ही अधिनियम के प्रावधानों का विस्तृत विवेचन करते हुए रिपोर्टेबल निर्णय पारित किया और दो माह के भीतर भीतर नई चयन/मेरिट सूची बनाते हुए याचिकाकर्ताओ को विशेष योग्यजन वर्ग में उचित स्थान देते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए। खंडपीठ ने कहा कि विशेष योग्यजन को समाज की मुख्य विचारधारा में जोड़ने का कोई अवसर ना छूटे, यही विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 का मुख्य उद्देश्य है।

बहन-बेटियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदर्शन

अजमेर (हिंस)। देश भर में बहन बेटियों की सुरक्षा और संरक्षा की मांग पर सोमवार को अजमेर में सोफिया स्कूल की करीब ढाई हजार से अधिक छात्राओं को अनेक एनजीओ के माध्यम से जुटे स्त्री पुरुषों ने कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल कर जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। रैली में छात्राओं ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थी। अनेक छात्राएं मुट्ठी बांध कर नारे लगा रही थी। छात्राओं ने कलेक्ट्रेट में नुक्कड़ नाटक के जरिए विरोध करते हुए कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। महिलाओं और बालिकाओं ने ज्ञापन के जरिए देश में महिलाओं व बालिकाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के मामलों में जल्द कार्रवाई करने और सुरक्षा देने की मांग की है।

सोफिया गर्ल्स कॉलेज के नेतृत्व में सोमवार को विभिन्न स्कूलों की छात्राओं व संगठनों ने कॉलेज परिसर से रैली की शुरुआत की। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची और विरोध जताया। इस दौरान छात्राओं ने वी वांट जस्टिस सहित महिलाओं को सुरक्षा देने के नारे लगाए। छात्रों के द्वारा बैनर और पोस्टर लेकर विरोध जताया। सोफिया कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर सिस्टर पल ने बताया कि देश, राज्य और जिले में महिला अत्याचार, हिंसा अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो अत्यंत चिंताजनक है। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक शोषण शामिल है। जो न केवल हमारे जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि हमारे समाज के मूल्यों को भी चुनौती देता है। पिछले 25 सालों से महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और बलात्कार, प्रताड़ना, एसिड आक्रमण जैसे अपराधों में वृद्धि हुई है। इसके विरोध में आज यह रैली निकाल कर प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शन कर राष्ट्रपति से महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों की जांच त्वरित कर दोषियों को सख्त सजा देने सहित विभिन्न मांगे रखी गई है। छात्रों ने विरोध जताते हुए कहा कि हम देश में सुरक्षित नहीं है, इस देश में हमारी भी सुरक्षा की जाए।

हाईकोर्ट का यूपी डीजीपी को निर्देश, सूचना एवं तकनीक से जुड़े अपराधों में जांच अधिकारी बरतें सावधानी

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, आपराधिक धमकी देना और उसकी अश्लील वीडियो बनाकर प्रसारित करने के मामले में जांच अधिकारी द्वारा की गई विवेचना की कड़ी आलोचना की है। कोर्ट ने यूपी के पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में जो सूचना एवं तकनीक से जुड़ा हो उसके लिए प्रदेश में सभी जांच अधिकारियों के लिए निर्देश दिया जाय कि वे ऐसे मामलों की जांच में भविष्य में काफी सावधानी बरतें। हाईकोर्ट ने कहा कि इस तरह के मामले चाहे आरोपी हो अथवा पीड़िता, उनके मौलिक अधिकारों के हनन से जुड़ा होता है। इसके अलावा, अदालत ने आदेश दिया कि पुलिस महानिदेशक डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से जुड़े मामलों में जांच प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक आदेश जारी करें। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने डिजिटल साक्ष्य से जुड़े मामलों में जांच अधिकारियों के उदासीन रवैये की कड़ी आलोचना की है। यह आदेश कोर्ट ने सौरभ ञ सौरभ कुमार बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य के मामले में दिया। इस मामले में सामूहिक दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और नाबालिग लड़की के अश्लील वीडियो प्रसारित करने के आरोप शामिल हैं। मुख्य आरोपी सौरभ कुमार और एक सह-आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376डीबी और 506, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) की धारा 5 जी और 5 एम/जी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत आरोप लगाए गए हैं। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि सौरभ कुमार और सह-आरोपी सेहबान ने एक नाबालिग लड़की को उसके स्कूल से बहला-फुसलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। उन पर घटना का वीडियो बनाने और व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो प्रसारित करने का भी आरोप है। कथित तौर पर वीडियो पीड़िता के भाई के मोबाइल डिवाइस पर सामने आया। जिसके बाद तीन अप्रैल 2024 को प्राथमिकी थाना-अहरौला, जिला आजमगढ़ में दर्ज की गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता को आरोपियों ने ब्लैकमेल किया और धमकाया। जिन्होंने बाद में वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। आरोपी पर आईपीसी की धाराएं 376 डीबी, 506 यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धाराएं 5 जी, 5 एम/जी, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67 लगाई गई। बचाव पक्ष के वकील ने तर्क दिया कि आवेदक सौरभ कुमार निर्दोष है और उसे परेशान करने और पीड़िता करने के लिए झूठा फंसाया गया है। बचाव पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि आवेदक की संलिप्तता को दर्शाने वाला कोई ठोस सबूत नहीं है, क्योंकि एफआईआर में तारीख व समय का जिक्र नहीं है। अदालत ने जांच अधिकारी द्वारा की गई तत्परता में उल्लेखनीय कमी देखी, जो कथित रूप से बरामद किए गए वीडियो साक्ष्य का विवरण नहीं दिया गया है। आरोपी के मोबाइल फोन की सामग्री की जांच करने या गैलरी की सामग्री को सत्यापित करने में अधिकारी की विफलता ने जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए। कोर्ट ने डिजिटल साक्ष्यों को संभालने में जांच अधिकारी की सतर्कता में कमी पाई । न्यायालय ने जांच अधिकारियों के *बेपरवाह रवैए* की निंदा की, जो केवल पेन ड्राइव में फोटो या वीडियो जैसे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को अपने कब्जे में ले लेते हैं और फिर बिना उचित जांच के उन्हें फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी को सौंप देते हैं। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने कहा कि यह कृत्य केवल जिम्मेदारी से बचने का प्रयास प्रतीत होता है और इस कृत्य को रोकना होगा।

शनि मंदिर में धुमधाम से मनाया गया शनि जन्मोत्सव

किशनगंज (हिंस)। शहर के डुमरिया भट्टा स्थित शनि मंदिर में सोमवार को हर्सोल्लास के साथ शनि जन्मोत्सव मनाया गया। शनि जन्मोत्सव में भगवान शनिदेव के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्त पहुंचने लगे थे। पूजा को लेकर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। मंदिर के द्वार को भी आकर्षक रूप से सजाया गया था। जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह था। संध्या में भजन-कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जन्मोत्सव को लेकर भक्त भी उत्साहित होकर झूमने लगें थे। मंदिर में शनिदेव व मां काली की पूजा अर्चना पुरोहित हीरा लाल भार्गव के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई। पूरा मंदिर परिसर भगवान शनि व माता काली के जयकारे से झूम उठा था। मंदिर के पुरोहित हीरा लाल भार्गव ने कहा कि इस बार जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। पुरोहित ने कहा कि इस अवसर पर भगवान शनि व मां काली की भी पूजा-अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शनिदेव व मां काली की पूजा अर्चना की गई। शनिदेव की पूजा करने से मांगी गई मनोकामना पूर्ण होती है। वहीं मुख्य पुरोहित के पुत्र भी पूजा को सफल बनाने में जुटे हुए थे। पूजा को लेकर सभी उत्साहित थें। संध्या में खिचड़ी महाप्रसाद वितरण किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंदिर में महिला श्रद्धालुओं की भी भीड़ जुटी थी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने जून तिमाही में सबसे अधिक संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली। देश में 21 रियल स्टेट कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कुल मिलाकर लगभग 35,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। इनमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग की सूचना दी है।

कुछ को छोड़कर, सभी प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर ने अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में वार्षिक वृद्धि दिखाई है। इसमें आवासीय संपत्तियों, विशेष रूप से लक्जरी घरों के लिए मजबूत उपभोक्ता मांग का बड़ा योगदान रहा है। शेयर बाजार को दी गईं सूचनाओं के संकलित आंकड़ों के अनुसार भारत की 21 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 34,927.5 करोड़ रुपये की संयुक्त बिक्री बुकिंग की सूचना दी है। इन संयुक्त बिक्री बुकिंग में से बिक्री का बड़ा हिस्सा आवासीय क्षेत्र से आया। बिक्री बुकिंग के मामले में, गोदरेज प्रॉपर्टीज जून तिमाही में 8,637 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के रूप में उभरी। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग तीन गुना से अधिक की वृद्धि के साथ 6,404 करोड़ रुपये रही है। लोढ़ा ब्रांड के तहत संपयां बेचने वाली मुंबई की मैक्रोटेक डेवलपर्स ने 4,030 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। हाल ही में सूचीबद्ध हुई गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल ने जून तिमाही में 3,120 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में तीन गुना है।

21 बड़ी रियल स्टेट कंपनियों ने जून तिमाही में 35 हजार करोड़ की संपत्तियां बेचीं

बेंगलुरू स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने जून तिमाही में 3,029.5 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से कम है। बेंगलुरू स्थित फर्म शोभा लिमिटेड और ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के दौरान क्रमशः 1,874 करोड़ रुपये और 1,086 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। बेंगलुरु स्थित पूर्वांकरा लिमिटेड ने 1,128 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग स्थिर रही।

न्यूज ब्रीफ

नया एमएसएमई क्रेडिट असेसमेंट मॉडल अगले साल होगा लांच

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए एक नया माइक्रो, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्रेडिट असेसमेंट मॉडल मार्च 2025 तक लॉन्च होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मॉडल की तैयारी तेजी से चल रही है और इसे वित्तीय वर्ष 2024-25 के आखिर तक पेश करने की योजना है। एक पीएसबी अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 25 के बजट में पीएसबी को एमएसएमई के लिए आंतरिक रूप से क्रेडिट मूल्यांकन की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव रखा था जिससे बाहरी मूल्यांकन की आवश्यकता कम हो सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पीएसबी एक नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल विकसित या अधिग्रहित करेंगी, जो एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट्स पर आधारित होगा। यह पारंपरिक क्रेडिट असेसमेंट पद्धतियों की तुलना में एक बड़ा सुधार होगा जो केवल संपत्ति या टर्नओवर मानदंडों पर निर्भर करती हैं। नए मॉडल में क्रेडिट मूल्यांकन के लिए पारंपरिक क्रेडिट स्कोर के बजाय एमएसएमई की सप्लाई-चेन डायनामिक्स, डिजिटल फुटप्रिंट्स, और उद्योग-विशिष्ट परिस्थितियों पर ध्यान दिया जाएगा। यह एक अधिक व्यापक और सटीक मूल्यांकन प्रदान करेगा।

मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के चुनिंदा मॉडल की कीमत घटाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अपने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो मॉडल के चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में तत्काल प्रभाव से कटौती की है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई है।

मारुति सुजुकी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के कुछ वेरिएंट की कीमतों में कटौती की है। कंपनी ने कहा कि 2 सितंबर से एस-प्रेसो एलएक्सआई पेट्रोल की कीमत 2,000 रुपये और ऑल्टो के10 वीएक्सआई पेट्रोल की कीमत 6,500 रुपये घटाई गई है। इससे एक दिन पहले एक सितंबर को कंपनी ने शेयर बाजार को बताया था कि अगस्त 2024 की बिक्री में लगभग 3.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। कंपनी ने अगस्त, 2023 में 189,082 इकाइयों की तुलना में अगस्त, 2024 में 181,782 इकाइयां बेची है। इस तरह कुल मिलाकर मारुति सुजुकी की अगस्त की बिक्री में घरेलू स्तर पर बेची गई 145,570 इकाइयां और निर्यात की गई 26,003 इकाइयां शामिल है।

सरकारी कंपनियों के बोनस शेयर और बायबैक नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लिस्टेड सरकारी कंपनियों के स्टॉक में डिविडेंड, बोनस शेयर और शेयर बायबैक से जुड़े नियमों में सरकार संशोधन करने जा रही है। दरअसल इस मामले में सरकार 2016 के दिशानिर्देशों में संशोधन करने पर काम कर रही है। अधिकारियों ने कहा है कि इस महीने वित्त मंत्रालय द्वारा रिवाइज्ड गाइडलाइंस जारी किए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने मई 2016 में सीपीएसई में सरकारी निवेश के कुशल प्रबंधन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूंजी पुनर्गठन पर डिटेल्ड गाइडलाइंस जारी की थी। एक अधिकारी ने बताया कि सीपीएसई अब बहीखाते के मामले में ज्यादा मजबूत हैं और उनके मार्केट कैपिटलाइजेशन में सुधार हुआ है इसलिए अब पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों पर फिर से विचार करने का समय आ गया है। जारी किए गए पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों के अनुसार जिन सीपीएसई के पास व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अपनी पूंजी को अनुकूलतम रूप से निवेश करने की योजना नहीं है, उन्हें अधिशेष निधियों पर पेशेवर रूप से विचार करना चाहिए। निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के मई 2016 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक सीपीएसई को मुनाफे का 30 प्रतिशत या कुल परिसंपत्ति का 5 प्रतिशत न्यूनतम एनुअल डिविडेंड देना आवश्यक है। इसके साथ ही कम से कम 2,000 करोड़ रुपये की कुल परिसंपत्ति और 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और बैंक जमा वाले प्रत्येक सीपीएसई को शेयर पुनर्खरीद का विकल्प चुनना जरूरी है।

लगातार चौथे दिन शेयर बाजार ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नए शिखर पर शेयर बाजार, लगातार 13वें दिन मजबूती के साथ बंद हुआ निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती का रिकॉर्ड बनने का सिलसिला सोमवार को सितंबर महीने के पहले कारोबार दिन भी जारी रहा। शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने मजबूती के नए रिकॉर्ड के साथ कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली के चक्कर में दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाकर के बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ने 0.24 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

कारोबार के दौरान एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, फार्मास्यूटिकल, मेटल, कैपिटल गुड्स हेल्थ केयर, मीडिया और टेलीकॉम इंडेक्स गिरावट का शिकार हो गए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि शुरुआती कारोबार में बीएसई के मिडकैप इंडेक्स ने ऑल टाइम हाई के नए रिकॉर्ड तक पहुंचने में सफलता हासिल की लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक ने 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स 0.47 प्रतिशत टूट कर बंद हुआ। बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 464.87 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 48 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,187 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,776 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,258 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,489 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,225 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,264 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 359.71 अंक की छलांग लगा कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,725.28 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। हालांकि, दूसरे मोर्चे पर खरीदारों ने भी लगातार लिवाली का जोर बनाए रखा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल सीमित दायरे में ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 194.07 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,559.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 97.70 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,333.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक कुछ क्षण के लिए 0.40 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ लाल निशान में 25,235.50 अंक तक भी पहुंचा लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर इस सूचकांक को दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 42.80 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,278.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फिनसर्व 3.23 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 3.19 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.13 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.55 प्रतिशत और आईटीसी 1.52 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

अदाणी एनर्जी ने खावड़ा पारेषण परियोजना का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने खावड़ा चौथे चरण की पार्ट-ए पारेषण परियोजना के 298 किलोमीटर लंबे विशेष उद्देश्य वाहन (एसपीवी) का अधिग्रहण किया है। कंपनी बयान के अनुसार खावड़ा आईवीए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (एक एसपीवी) की स्थापना आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) द्वारा खावड़ा आरई पार्क से सात गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकालने के लिए की गई थी। एईएसएल अगले 24 महीने में गुजरात में बीओओटी (निर्माण, स्वामित्व, संचालन व हस्तांतरण) आधार पर परियोजना शुरू करेगी। बयान में कहा गया है कि कंपनी 298 किलोमीटर (596 सीकेएम) पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए 4,091 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एईएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के रूप में खावड़ा को ऐसे बिजली निकासी बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है जो न केवल विश्व स्तरीय हो, बल्कि जुझारू तथा भविष्य के लिए भी तैयार हो।

महिंद्रा की बिक्री अगस्त में नौ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की अगस्त में कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 76,755 इकाई हो गई। मोटर वाहन विनिर्माता की अगस्त 2023 में थोक बिक्री 70,350 इकाई रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बयान में कहा कि घरेलू बाजार में बिक्री पिछले महीने 16 प्रतिशत बढ़कर 43,277 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 37,270 इकाई थी। कंपनी का कुल निर्यात अगस्त में 26 प्रतिशत बढ़कर 3,060 इकाई हो गया, जो एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 2,423 इकाई था। एमएंडएम के अनुसार अगस्त में उसकी ट्रैक्टर की कुल बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 21,917 इकाई रही, जो अगस्त 2023 में 21,676 इकाई थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के एक अधिकारी ने कहा कि आने वाले त्योहारों, सामान्य से बेहतर मानसून, खरीफ की अच्छी फसल और किसानों के लिए अनुकूल व्यापार शर्तों से ट्रैक्टर उद्योग की वृद्धि को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

मारुति, टाटा मोटर्स की बिक्री में गिरावट किआ इंडिया में 17 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और सबसे बड़ी वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की बिक्री में अगस्त में गिरावट देखी गई है। मारुति सुजुकी ने बताया कि उसकी कुल घरेलू बिक्री 5.3 प्रतिशत घटकर 1,55,779 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल यह 1,64,468 इकाई थी। ऑटोमेकर ने अगस्त में 26,003 इकाइयों का निर्यात किया, जो पिछले साल की समान अवधि की 24,614 इकाइयों से अधिक है। चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल-अगस्त की अवधि में मारुति सुजुकी इंडिया ने कुल 8,78,691 इकाइयों की बिक्री की, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की 8,68,742 इकाइयों की तुलना में कम है।

टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री करीब आठ प्रतिशत घटकर 70,006 इकाई रह गई। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 76,261 इकाई रहा था। घरेलू बिक्री और निर्यात समेत कंपनी की कुल बिक्री भी एक साल पहले की 78,010 इकाई से घटकर 71,693 इकाई पर आ गई। कंपनी के

मारुति सुजुकी की बिक्री 5.3 प्रतिशत, टाटा मोटर्स की आठ प्रतिशत घटी

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15 फीसदी की गिरावट के साथ 27,207 इकाई रह गई। इसमें घरेलू बिक्री 16 फीसदी घटकर 25,864 इकाई हो गई है। कंपनी के यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 44,142 इकाई रही। इसके अलावा कंपनी के यात्री वाहनों का निर्यात 18 फीसदी घटकर 344 इकाई पर आ गया। किआ इंडिया ने अगस्त में 22,523 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के इसी महीने में बेची गई 19,219 इकाइयों की तुलना में 17.19 प्रतिशत अधिक है।

सर्राफा बाजार में मंदी जारी, लगातार चौथे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी लुढ़की

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को लगातार चौथे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोमवार की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये से लेकर 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,090 रुपये से लेकर 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना सोमवार को 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना सोमवार को 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना सोमवार को 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से सोमवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार को गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद लाल निशान में बंद हुए। एशियाई बाजारों सोमवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होते रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,648.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 197.19 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की छलांग लगा कर 17,713.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,483.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी

बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,376.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत टूट कर 7,630.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,906.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी सोमवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,415 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 3,457.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,678.33 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,705.61 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 155.38 अंक 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,492.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,233.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 318.35 अंक यानी 1.77 प्रतिशत लुढ़क कर 17,670.72 अंक तक गिर गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,824.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत फिसल कर 1,354.99 अंक के स्तर तक पहुंच गया है।

महाराष्ट्र में अपनी पसंद का वाहन नंबर लेना हुआ महंगा

0001 नंबर लेने के लिए खर्च करने पड़ेंगे छह लाख रुपए

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने नए वाहनों के लिए वीआईपी नंबर के लिए ली जाने वाली फीस बढ़ा दी है। बता दें कि मुंबई, पुणे और अन्य शहरों जैसे ज्यादा मांग वाले महाराष्ट्र के क्षेत्रों में चार पहिया वाहनों के लिए सबसे लोकप्रिय '0001' नंबर के लिए आपको अब छह लाख रुपये खर्च पड़ेंगे।

परिवहन विभाग की 30 अगस्त की नोटिफिकेशन के अनुसार, चार पहिया वाहनों के लिए हाई प्रोफ़ाइल नंबर '0001' की कीमत मौजूदा तीन लाख रुपये से बढ़कर पांच लाख रुपये हो जाएगी। इसके अलावा दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए यह फीस मौजूदा 50,000 रुपये के बजाय अब एक लाख रुपये होगी।

मुंबई, मुंबई उपनगरीय, पुणे, ठाणे, रायगढ़, औरंगाबाद, नासिक, कोल्हापुर और नासिक जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में '0001' के लिए वीआईपी शुल्क छह लाख रुपये होगा, जबकि चार या अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए यह चार लाख रुपये होगा।

महिला टी20 विश्व कप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित, कैथरीन ब्राइस होंगी कप्तान

नई दिल्ली।
आगामी आईसीसी महिला टी 20 कप 2024 के लिए सोमवार को स्कॉटलैंड की टीम घोषित हो गई है। कैथरीन ब्राइस टीम की अगुवाई करेंगी।

ब्राइस आखिरी बार इस साल मई में यूएई में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 के दौरान स्कॉटलैंड की टीम में नज़र आई थीं। बल्ले (177 रन) और गेंद (नौ विकेट) से उनके शानदार प्रदर्शन ने यूरोपीय टीम को अपने पहले महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद की।

विकेटकीपर-बल्लेबाज सारा ब्रायस को उप-कप्तान बनाया गया है। स्कॉटलैंड ने अनुभवी लेग स्पिनर अबताहा मकसूद को भी टीम में शामिल किया, जिन्होंने हाल ही में नीदरलैंड्स त्रिकोणीय श्रृंखला में टीम को जीत दिलाई थी। हेड कोच क्रेग वालेस ने आईसीसी के हवाले से कहा, इस टीम का मेकअप और संतुलन बेहतरीन है। हमारे पास शुरू से लेकर आखिर तक मैच जीताने वाले खिलाड़ी हैं, जो मुझे लगता है कि मेरे छोटे कार्यकाल के दौरान इस टीम के विकास में बड़ा अंतर है। खिलाड़ी हर बार मैदान पर कदम रखते ही महत्वपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं और यह बात टीम में हर जगह दिखाई देती है। वालेस ने कहा, हालांकि यह वास्तव में कठिन था, लेकिन इस टीम का चयन करना वास्तव में आनंददायक भी था, क्योंकि हमने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं, और हम जानते हैं कि सभी 15 खिलाड़ी वहां जाकर विश्व कप में हमारे लिए क्रिकेट मैच जीत सकते हैं।

स्कॉटलैंड प्रतियोगिता के ग्रुप बी में पड़ोसी देशों इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के साथ है।

स्कॉटलैंड की टीम इस प्रकार है : कैथरीन ब्राइस (कप्तान), सारा ब्राइस (उप कप्तान), लोर्ना जैक-ब्राउन, एब्बी एटकेन-ड्रमंड, अब्ताहा मकसूद, सास्किया होर्ले, क्लो एबेल, प्रियानाज चटर्जी, मेगन मैककॉल, डार्सी कार्टर, ऐल्सा लिस्टर, हन्ना रेनी, रेचल स्लेटर, कैथरीन फ्रेजर, ओलिविया बेल।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः एम्मा नवारो ने गत चैंपियन कोको गॉफ को हराया

न्यूयॉर्क। एम्मा नवारो ने सोमवार की सुबह घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को चल रहे यूएस ओपन से बाहर कर दिया। एम्मा ने यह मैच 6-3, 4-6, 6-3 से जीता, जिससे वह लगातार दूसरे प्रमुख क्वार्टरफाइनल में पहुंची और न्यूयॉर्क में गॉफ के 11 मैचों की जीत के सिलसिले को भी समाप्त कर दिया। कुछ महीने पहले जब नवारो ने पहली बार विंबलडन में गॉफ के साथ खेला था, तब वह कोई जानी-मानी हस्ती नहीं थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने चौथे राउंड के मैच में सीधे सेटों में अमेरिकी सनसनी को हरा दिया। उन्होंने यह साबित कर दिया कि विंबलडन में मिली जीत कोई तुक्का नहीं थी, नवारो ने फिर से ऐसा किया है। नवारो, जिन्होंने वर्ष की शुरुआत विश्व में 31वें नंबर पर की थी, अब डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने की कगार पर हैं। अपने करियर की शुरुआत के बारे में बात करते हुए नवारो ने कहा कि उन्होंने कॉलेज छोड़ने के बाद खुद से जो उम्मीदें की थीं, उन्हें पार कर लिया है। डब्ल्यूटीए के हवाले से नवारो ने कहा, जब मैंने पहली बार कॉलेज छोड़ा था, तो मेरे कोच और मैंने एक तरह से दो साल का अनुबंध किया था, कि मैं दो साल तक पेशेवर टेनिस खेलने के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करूंगी और उसके बाद बस फिर से मूल्यांकन करूंगी। मुझे लगता है कि मैंने इस जून में दो साल का आंकड़ा छू लिया, और हमने इसे स्वीकार भी नहीं किया या इसके बारे में बात भी नहीं की। तो, हाँ, निश्चित रूप से मैंने अपनी उम्मीदों को पार कर लिया है। गॉफ की हार काफी हद तक उनकी अपनी गलती थी, क्योंकि उन्होंने 19 डबल फॉल्ट और 60 अनफोर्स्ड एरर किये। मैच का पहला ब्रेक गॉफ द्वारा 2-3 पर सर्व करने के साथ आया। फिर, दो बैक-टू-बैक डबल फॉल्ट ने नवारो को कुछ राहत दी और वह इसके बाद भी नहीं रुकीं। नवारो का अगला मुकाबला पॉल बैडोसा से होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 की महिला एकल चैंपियन और दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन ने भी 16 के राउंड में डोना वेकिक को 7-6(2), 4-6, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह क्वार्टर फाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना करेंगी। यह झेंग का लगातार दूसरा यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल है।

अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल : पोलैंड, अमेरिका ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता

शीआन। पोलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका ने रविवार को उत्तर-पश्चिम चीन के शांग्लुओ शहर में आयोजित अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। पोलैंड के शिमोन पिएत्रस्ज़ेक और जैकब क्रजेमिंस्की तथा लातविया के मैटिस साल्कोव्स्की और कार्लिस जौंडज़ेकर्स के बीच पुरुषों के फ़ाइनल में, पोलिश जोड़ी ने पहले सेट में छह सेट पॉइंट बचाए और फिर 25-23 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में, स्कोर एक बार 18-18 से बराबर हो गया था। लातवियाई जोड़ी दो में से एक मैच पॉइंट बचाने में सफल रही, लेकिन पिएत्रस्ज़ेक ने निर्णायक स्पाइक के साथ 21-19 से जीत दर्ज की। महिलाओं की प्रतियोगिता में, यू.एस. की जोड़ी मिरिया मैसी और लिली डेविस का सामना स्पेन की सोफिया इज़ुज़िक्ज़ा कोरुल्ला और मार्टा कैरो मार्केज़ डी एक्यूना से हुआ। पहले सेट के मध्य में अमेरिकी खिलाड़ियों ने 5 अंकों की बढ़त बना ली थी, जिसमें मैसी ने अपने लम्बे विरोधियों के खिलाफ़ स्पाइक्स और डिंक्स का प्रभावी ढंग से मिश्रण किया और अमेरिकी टीम ने पहला सेट 21-16 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में, स्पेनिश जोड़ी 1-5 से पीछे हो गई, जबकि टाइमआउट के बाद लगातार तीन अंक वापस लेने में सफल रही। हालाँकि, अमेरिकी टीम ने पूरे समय अपना नियंत्रण बनाए रखा। मैच का समापन मार्टा कैरो द्वारा नेट में सर्विस करने के साथ हुआ, जिससे अमेरिकी जोड़ी ने 21-16 से जीत हासिल कर खिताब पर कब्ज़ा कर लिया।

पैरा-स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रचा इतिहास पेरिस पैरालिंपिक में जीता दूसरा पदक

पेरिस।
भारतीय पैरा स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रविवार देर रात 200 मीटर टी-35 रेस में कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इस स्पर्धा में प्रीति ने 30.01 सेकंड में दौड़ पूरी कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

इससे पहले शुक्रवार को प्रीति ने महिलाओं की टी35 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 14.21 सेकंड का समय लिया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी था।

पैरा-एथलीट ने पेरिस पैरालिंपिक में अपना दूसरा पदक जीतने के बाद कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और मुझे खुशी है कि मैंने एक और पदक जीता। 100 मीटर में पदक जीतने के बाद लोगों ने मुझे ट्रोल किया और इससे मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा मिली।

इससे पहले, प्रीति की लगन और कड़ी मेहनत का नतीजा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए उनके चयन के रूप में सामने आया, जहां उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पेरिस पैरालिंपिक के लिए अपना कोटा प्राप्त किया। इस पदक के साथ, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य सहित कुल छह पदक हासिल कर लिए हैं।

पेरिस पैरालंपिकः निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 में जीता रजत पदक

पेरिस। निषाद कुमार ने रविवार देर रात पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस 2024 पैरालिंपिक में भारत के लिए सातवां पदक जीता। निषाद ने 2.04 मीटर की छलांग आसानी से लगाई, लेकिन 2.08 मीटर पर असफल रहे, अपना पहले पैरालंपिक खेलों में भाग ले रहे 24 वर्षीय भारतीय ने 2.06 मीटर के नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता। जबकि रूस के जॉर्जी मार्गिएव ने कांस्य पदक हासिल किया। यूएसए के रोडरिक टाउनसेंड ने अपने पहले प्रयास में 2.12 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। टाउनसेंड ने 2021 में भी पैरालंपिक स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में, उन्होंने चीन के हांग्जो में पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं। रविवार को, भारतीय पैरास्प्रिंटर प्रीति पाल ने 200 मीटर टी-35 में 30.01 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इससे पहले, प्रीति ने 14.21 सेकंड का समय लेकर टी35 100 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है।

पेरिस पैरालिंपिकः भाविनाबेन पटेल महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल चल रहे पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने रविवार रात मैक्सिको की मार्था वर्डिन के खिलाफ तीन सीधे सेटों (11-3, 11-6, 11-7) में अपना मैच जीता। दूसरी ओर, दूसरी महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी सोनलबेन पटेल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गईं। वह महिला एकल - डब्ल्यूएस3 में क्रोएशिया की एंडेला मुजिनिक विंसेटिक के खिलाफ राउंड ऑफ़ 16 में 3-11, 12-10, 7-11,5, 11 से अपना मैच हार गईं। इससे पहले 30 अगस्त को भाविना और सोनलबेन पदक जीतने से चूक गईं थीं, क्योंकि उन्हें कोरिया की यंग ए जंग और सुंघी मून की जोड़ी ने महिला डबल्स टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल में हरा दिया था। मैच 5-11, 6-11, 11-9, 6-11 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। इस बीच, सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में रजत पदक जीता।

रायगढ़ की 'अनन्या गुप्ता' फुटबॉल सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट में कर्नाटक का करेंगी प्रतिनिधित्व

रायगढ़।
रायगढ़ की होनहार खिलाड़ी अनन्या गुप्ता ने कर्नाटक की सब-जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में स्थान पाकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है।

रायगढ़ के प्रतिष्ठित गुप्ता परिवार की लाडली, 'यूनिवर्सल स्टोर' के ऑनर विजय गुप्ता की पुत्री एवं राजीव गुप्ता की भतीजी अनन्या ने बेहद कम उम्र में फुटबॉल के प्रति अपनी लगन और प्रतिभा से खुद को साबित किया है, और अब वह राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि अनन्या ने बेहद कम उम्र में फुटबॉल के प्रति अपनी अथाह लगन और प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी फुटबॉल यात्रा की शुरुआत केवल 8 साल की उम्र में 'गोल्डन बेबी लीग' से हुई थी। तब से अनन्या ने लगातार अपने खेल में सुधार करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है।

उनकी इस यात्रा में उनके पहले कोच स्वर्गीय तापस चटर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने अनन्या के हुनर को पहचाना और विजय गुप्ता को उसकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने की सलाह दी। विजय गुप्ता, जो स्वयं एक शानदार फुटबॉल खिलाड़ी हैं, ने अपनी बेटी की प्रतिभा को सही दिशा देने के लिए उसे 'दा फुटबॉल अकादमी' रायगढ़ में प्रशिक्षित किया।

अनन्या का राष्ट्रीय स्तर पर पहला सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट छत्तीसगढ़ की टीम से खेलते हुए 2023 में अमृतसर में हुआ था, जहाँ उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उसके बाद पिता ने मई 2024 में अनन्या को और अधिक उन्नत प्रशिक्षण के लिए देश की प्रतिष्ठित 'किक स्टार्ट फुटबॉल अकादमी' बेंगलुरु में एडमिशन कराया।

जहां कर्नाटक की सब-जूनियर नेशनल टीम के लिए अनन्या ने कई चरणों में कठिन ट्रायल्स दिए और अपनी कड़ी मेहनत के बल पर टीम के अंतिम 22 खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। अब अनन्या पश्चिम बंगाल के मालदा में आयोजित होने वाले सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट में कर्नाटक की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अनन्या की इस उपलब्धि ने न केवल गुप्ता परिवार को गर्वित किया है, बल्कि पूरे रायगढ़ शहर को भी गौरवान्वित किया है। अनन्या की इस उपलब्धि पर मित्रों, परिजनों और शहरवासियों की शुभकामनाएं और बधाइयाँ मिल रही हैं, जिससे घर में खुशी का माहौल है। विजय गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि अनन्या आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरते हुए परिवार और रायगढ़ का नाम रोशन करेंगी।

आईएसएल 2024-25: बीसी जिंदल ग्रुप ने हैदराबाद एफसी का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली।
बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत जिंदल फुटबॉल ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम हैदराबाद एफसी का अधिग्रहण कर लिया है।

यह अधिग्रहण बीसी जिंदल समूह का भारतीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र में पहला उद्यम है, जिसमें समूह का समग्र ध्यान भारत में खेलों के आकांक्षात्मक मूल्य को बढ़ाने और युवा भारतीय प्रतिभाओं को वैश्विक स्तर पर विकसित होने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करने पर है।

नवाबों के नाम से मशहूर हैदराबाद एफसी की टीम 19 सितंबर को बेंगलुरु एफसी के खिलाफ मैच के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

27 अगस्त, 2019 को स्थापित, हैदराबाद एफसी ने 2021-22 सीज़न में आईएसएल खिताब जीतकर अपनी पहचान बनाई, जहां उसने एक रोमांचक फाइनल में केरल ब्लास्टर्स पर जीत हासिल की थी। क्लब अपने घरेलू खेल हैदराबाद के जीवंत उपनगर गाचीबोवली में स्थित जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेलता है।

नए स्वामित्व की ओर से हैदराबाद एफसी के प्रवक्ता ने कहा, हैदराबाद एफसी के साथ खेल में हमारा उद्यम भारतीय फुटबॉल के सामने आने वाली बाधाओं को उजागर करने और उनका समाधान करने की इच्छा से प्रेरित है। हमारा लक्ष्य घरेलू प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और भारत में इस खूबसूरत खेल के विकास को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा, हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां भारतीय खिलाड़ी उच्चतम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे और हम उस दिन का सपना देखते हैं जब भारत फीफा विश्व कप के फाइनल में भाग लेगा। यह वह दृष्टि है जो भारतीय फुटबॉल में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करती है।

अमेरिकी ओपन: टेलर फ्रिट्ज़, ग्रिगोर दिमित्रोव पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क।
अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। फ्रिट्ज़ ने रूड पर 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह मैच दो घंटे और 44 मिनट तक चला।

मैच जीतने के बाद, टेलर फ्रिट्ज़ ने स्वीकार किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी रूड मैच में अच्छा खेल रहे थे।

फ्रिट्ज़ ने एटीपी के हवाले से कहा, मुझे बस इसमें बने रहना था क्योंकि मुझे लगा कि उसने पहले सेट में मुझे मात दे दी। मेरे और उसके पास कुछ मौके थे और उसने उन्हें भुनाया। वह अच्छा खेल रहा था और मैंने दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ कड़े सर्विस गेम से बाहर निकलने और स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाने के लिए वास्तव में अच्छा काम किया। मुझे लगता है कि उसके बाद उसका स्तर थोड़ा गिर गया होगा। मुझे दूसरे सर्व पर अधिक मौके मिल रहे थे और मैं बस वहीं से जीत सकता था।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि वह एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं और किसी भी अतिरिक्त दबाव में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। मुझे लगता है कि इससे दबाव बढ़ सकता है। मैं 2022 में यह कहकर आया था कि मैं इसे जीत सकता हूं और मैं पहले दौर में हार गया। मुझे लगता है कि एक बार में एक मैच पर ध्यान देना अच्छा है।

इस बीच, बुल्गारियाई टेनिस खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव भी यूएस ओपन के राउंड ऑफ 16 में रूस के एंड्री रुबलेव को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। दिमित्रोव ने तीन घंटे और 39 मिनट तक चले रोमांचक मैच में रुबलेव के खिलाफ 6-3, 7-6(3), 1-6, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की।

मैच के बाद दिमित्रोव ने कहा कि मैच में उनका शरीर लय खोने लगा था।

दिमित्रोव ने कहा, मुझे लगता है कि मैं पहले दो सेटों में काफी अच्छा खेल रहा था। लेकिन किसी कारण से मेरा शरीर थोड़ा लय खोने लगा था और वह मैच छोड़ने वाला नहीं था। आप जानते हैं कि वह कैसा है। मुझे बस धैर्य रखना था और मुझे लगता है कि आज सबसे बड़ी चीज जिसने मेरी मदद की वह मेरा अनुभव और भीड़ थी।

पेरिस पैरालिंपिकः शिवराजन-निथ्या मिश्रित युगल पैरा-बैडमिंटन के कांस्य पदक मुकाबले में हारे

पेरिस।
शिवराजन सोलाईमलाई और निथ्या श्री सिवन की भारतीय मिश्रित युगल पैरा-बैडमिंटन जोड़ी को सोमवार को चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में कांस्य पदक मैच में हार का सामना करना पड़ा।

मिश्रित युगल एसएच6 कांस्य पदक मैच में, शिवराजन-निथ्या की जोड़ी इंडोनेशिया की रीना मार्लिना और सुभान से दो सीधे गेमों में 17-21, 12-21 से हार गई। मिश्रित युगल एसएच6 श्रेणी के सेमीफाइनल में, शिवराजन और निथ्या यूएसए के एम क्रेजेवस्की और जे साइमन से 21-17, 14-21, 13-21 से हार गए, लेकिन कांस्य पदक मैच के लिए क्वालीफाई कर गए।

भारत ने अब तक चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण पदक, दो रजत और चार कांस्य पदक के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं।

प्रीति पाल ने रविवार को 200 मीटर टी-35 रेस में कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं।

इस स्पर्धा में, प्रीति ने 30.01 सेकंड में दौड़ पूरी करके अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने महिलाओं की टी35 100 मीटर दौड़ में 14.21 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक भी हासिल किया था, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है।

निषाद कुमार ने सोमवार की सुबह पुरुषों की ऊंची कूद - टी47 फाइनल में रजत पदक जीता। निषाद, जो तीन साल पहले टोक्यो में भी दूसरे स्थान पर रहे थे, ने 2.04 मीटर की छलांग के साथ अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें रजत पदक मिला।

रुबीना ने शनिवार को पी2-महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता। उन्होंने फाइनल में कुल 211.1 अंक हासिल किए। ईरान के जावनमर्डी सारेह ने स्वर्ण (236.8 अंक) जीता और तुर्की के ओजगान आयसेल ने रजत पदक (231.1 अंक) जीता।

शुक्रवार को मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनि लेखरा ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। इसी इवेंट में शूटर मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता।

लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में दबदबा बनाया और 249.7 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है। दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 246.8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीता, जबकि भारत की मोना ने कुल 228.7 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत को निशानेबाजी में भी रजत पदक मिला, जिसमें मनीष नरवाल ने पुरुषों की पी1 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

बता दें कि इस साल भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा पैरालिंपिक दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। टोक्यो 2020 भारत का सबसे सफल पैरालिंपिक खेल था, जिसमें देश ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित 19 पदक जीते थे।

आरओ का पानी खतरनाक...

हमें कुछ मिले या न मिले पर शरीर को पानी जरूर मिलना चाहिए। अगर पानी आरओ का हो तो, क्या बात है, लेकिन क्या वास्तव में हम आरओ के पानी को शुद्ध पानी मान सकते हैं? जवाब आता है बिल्कुल नहीं। यह जवाब विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से दिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने बताया है कि आरओ के पानी के लगातार सेवन से हृदय संबंधी विकार, थकान, कमजोरी, मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द आदि दुष्प्रभाव पाए गए हैं। यह कई शोधों के बाद पता चला है कि इसकी वजह से कैल्शियम और मैग्नीशियम पानी से पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं जो कि शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिकों के अनुसार मानव शरीर 500 टीडीएस तक सहन करने की क्षमता रखता है परंतु आरओ में 18 से 25 टीडीएस तक पानी की शुद्धता होती है जो कि नुकसानदायक है। इसके विकल्प में क्लोरीन को रखा जा सकता है जिसमें लागत भी कम होती है एवं पानी के आवश्यक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। जिससे मानव का शारीरिक विकास अवरुद्ध नहीं होता। जहां एक तरफ एशिया और यूरोप के कई देश आरओ पर प्रतिबंध लगा चुके हैं वहीं भारत में आरओ की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और कई विदेशी कंपनियों ने यहां पर अपना बड़ा बाजार बना लिया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और जागरूक करना जरूरी हैं। अतः अब शुद्ध पानी के लिए नए अविष्कारों की जरूरत है। याद रखें की लंबे समय तक आरओ का पानी लगातार पीने से शरीर कमजोर और बीमारीयों का घर बन जाता है। अतः प्राकृतिक यानी खनीज युक्त पानी परंपरागत तरीकों से साफ कर पीना हितकर है।

ऑनलाइन पेमेंट और भी आसान...

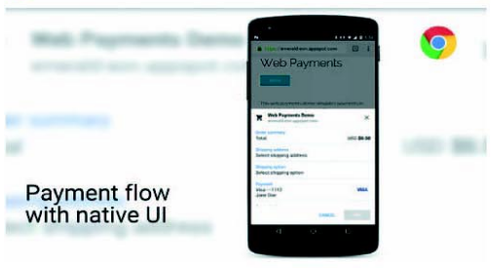

गूगल ने क्रोम का लेटेस्ट वर्जन रिलीज किया है, जिसका सबसे खास फीचर गूगल पे है और साथ ही परफॉरमैंस में सुधार हुआ है। क्रोम में गूगल पे फीचर एड करने से कंपनी ज्यादा से ज्यादा लोगों को यह सुविधा प्रदान करवाना चाहती है। गूगल ने वैब स्टैंडड्ज पर पेमैंट्स को आसान बनाने के लिए एंड्रायड पे को क्रोम में एड किया है। फिलहाल आई.ओ.एस. डिवाइसेस में इस फीचर के आने की कोई जानकारी नहीं है। एंड्रॉयड यूजर्स कुछ ही समय में ऑनलाइन पेमेंटस को संभव कर सकता है। गूगल ने अपने ब्लॉग में यह भी लिखा कि एंड्रॉयड के लिए क्रोम का नया वर्जन 15 प्रतिशत तेज होगा। नए अपडेट से क्रोम ज्यादा बैटरी की बचत भी करेगा। गूगल प्ले स्टोर पर गूगल क्रोम की अपडेट को फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है।

नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब...

घर को आकर्षक और सुंदर बनाने में सबसे ज्यादा लाइटनिंग का यूज होता है। इस बात पर ध्यान देते हुए एसएमएफएक्स कंपनी ने नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब विकसित किया है जो 16 मिलियन रंगों से आपके ऑफ हुए मूड को भी पूरी तरह से बदल देगा। यह स्मार्ट बल्ब मौजूदा सॉकेट से आसानी से चलाया जा सकता है। साधारण बल्ब से 10 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी सेविंग होने के साथ-साथ यह 40,000 घंटों की लाइफ भी देगा। इसमें आप लाइट्स को समय-समय पर शेड्यूल कर सकते हैं और एप की मदद से कंट्रोल भी कर सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में इसे करीब 2664 रुपए कीमत में बिक्री के लिए उपलब्ध किया जाएगा।

कम समय में चार्ज होगी नई बैटरी...

निजी क्षेत्र की ग्रीनविजन टैक्नालॉजीज ने पर्यावरण अनुकूल उपकरणों को बढ़ावा देते हुए कम समय में चार्ज होने वाली और रखरखाव में आसान 'जेल प्रौद्योगिकी' आधारित बैटरी विकसित की है जो कि ई-रिक्शा के लिए उपयोगी साबित होगी। दावा है कि एक तरफ जहां यह बैटरी जल्दी चार्ज होती है वहीं दूसरी तरफ इसका रख-रखाव काफी आसान है क्योंकि इसमें पानी यानी डीएम वाटर डालने की आवश्यकता नहीं है। जेल तकनीक आधारित इस बैटरी का नाम 'वायेजर' रखा गया है। सामान्य बैटरी के मुकाबले इनका वजन हल्का और आकार छोटा है। इसे 6 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है जबकि अन्य बैटरियों को चार्ज करने में 8 घंटे का समय लगता है। इसके लिए विशेष तौर पर तैयार चार्जर भी बनाया गया है जिससे इन बैटरी की उम्र और भी बढ़ जाती है। बार-बार चार्ज कर इसका 40,000 किलोमीटर तक उपयोग किया जा सकता है।

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं।

अब बनवाएं अपना 3डी पुतला...

सेल्फी का क्रेज अभी कम भी नहीं हुआ है कि तेजी से नए आयाम लेती तकनीक की दुनिया में फोटोग्राफी के लिए एक नये फॉर्मेट का चलन शुरू हो गया है। डिजिटल कैमरा और स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी की दुनिया को ऐसे बदला कि फोटो स्टूडियो का क्रेज कम हो गया। अब 3डी प्रिंटर तकनीक इसमें नया बदलाव ला रही है। आने वाले समय में लोगों का रुझान ऐसे स्टूडियो की ओर बढ़ सकता है, जहां वे छोटे आकार के खुद के 3डी पुतले बनवा सकते हैं। सेल्फी खींचने और उसे डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित रखने का मौजूदा ट्रेंड निकट जल्द ही बदल सकता है। दक्षिण कोरिया अब फोटोग्राफी को सेल्फी और डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रखने से आगे 3डी प्रिंटिंग के दौर में ले जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल में कई थ्रीडी फोटो स्टूडियो खुल चुके हैं, जहां एक छोटे पुतले के रूप में आप अपनी या बच्चों की 3डी प्रिंटिंग हासिल कर सकते हैं। फिलहाल इसकी कीमत ज्यादा है, इसलिए पैसे वाले लोग ही यहां पहुंचते हैं, लेकिन भविष्य में इसकी कीमत कम होने पर यह आम लोगों की पहुंच से बाहर नहीं रहेगा।

एक साथ 100 कैमरे

अपना 3डी पुतला बनवाने की चाहत रखने वाले इन स्टूडियो में बीच में बने एक प्लेटफॉर्म पर खड़े होते हैं, जिसके चारों ओर करीब 100 कैमरे लगे हैं। ये सभी कैमरे अनेक एंगल से एक साथ आपकी 2डी तस्वीर खींचते हैं, जिन्हें सियोल की एक खास फैक्टरी में भेजा जाता है। इस फैक्टरी में 3डी प्रिंटर के लिए बनाए गए खास कंप्यूटर प्रोग्राम्स के दिशा-निर्देशों के तहत इसे ट्रांसफॉर्म किया जाता है ।

हजार लेयर में इमेज

ट्रांसफॉर्म के बाद 3डी प्रिंटर जिप्सम पाउडर की करीब 1,000 लेयर में आपकी उस इमेज को गढ़ता है, 2डी तस्वीरें लेते वक्त इसमें वह उन सभी छोटी-से-छोटी चीजों को शामिल करता है, ताकि वह बिल्कुल असली की तरह दिखे। हालांकि, इस फिगर यानी पुतले का आकार बहुत छोटा होता है ।

99 डॉलर में पांच सेमी

इस तरह बनाए जानेवाले 3डी पुतलों की कीमत 99 डॉलर से 299 डॉलर तक है। सबसे छोटा आकार पांच सेंटीमीटर है, जिसकी कीमत 99 डॉलर है, जबकि सबसे 30 सेंटीमीटर आकार के पुतले की कीमत 299 डॉलर है। एक रिपोर्ट में एशियाई देशों में फिलहाल इस नई तकनीक को दक्षिण कोरिया तक ही सीमित बताया गया है, लेकिन जल्द ही पूरी दुनिया में इसके प्रसार की उम्मीद जताई गई है। हालांकि, कई अन्य रिपोर्ट बताती हैं कि भारत समेत कई देशों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है ।

'सेल्फी' के बाद 'शेपीज'

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। 'ब्लूमबर्ग टेक्नोलॉजी' के मुताबिक, लग्जम्बर्ग आधारित कंपनी 'आर्टेक' ने सितंबर, 2014 में पहली बार '3डी बॉडी स्कैनिंग बूथ' का डिजाइन तैयार कर ड्रेस समेत पूरे शरीर की इमेज स्कैनिंग करके 3डी प्रिंट के छोटे प्रतिरूप में मुहैया कराया था। कैलिफोर्निया के पालो आल्टो में आर्टेक के शोरूम में यह तकनीक प्रदर्शित की गई थी। ग्राहकों को यहां पांच इंच का पुतला दिया जाता है। फिगर बनाने वाले इस आइडिया को फिलहाल 'शेपीज' या '3डी सेल्फीज' नाम दिया गया है ।

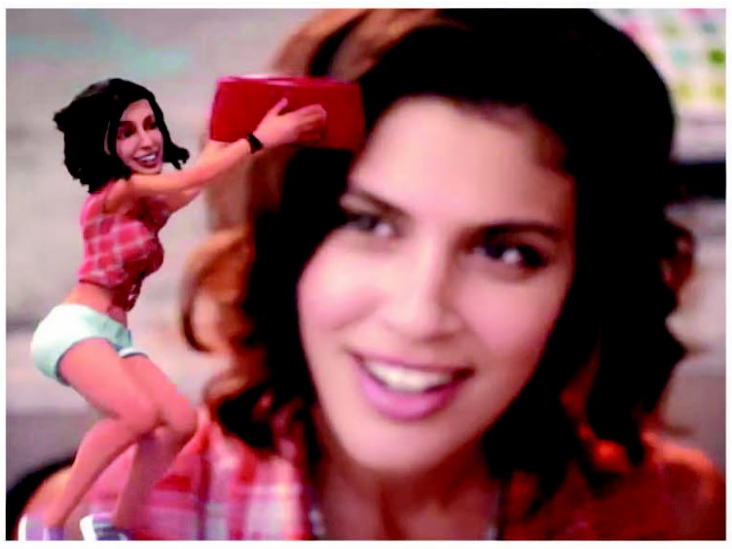

ऑनलाइन ऑर्डर

सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं। 'माय3डीसेल्फी डॉट कॉम' इसके लिए बाकायदा ऑर्डर हासिल करता है।

पांच मिनट में 3डी मॉडल

आर्टेक शेपिफाई बूथ 3डी बॉडी स्कैनिंग और सेल्फी बनाने वाली ऑटोमेटेड मशीन है। महज 12 सेकेंड में ग्राहक की स्कैनिंग करके ऑटोमेटिक तरीके से पांच मिनट में 3डी मॉडल तैयार हो जाता है और कुछ दिनों में पूरी तरह तैयार करके इसे ग्राहक को भेज दिया जाता है। इस बूथ में प्रति घंटे 10 लोगों की स्कैनिंग की जा सकती है।

भारत में भी शुरुआत

हैदराबाद की एक फर्म '3डी स्फेयर' ने भी ऐसी एक शुरुआत की है। इसकी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 3डी प्रिंटिंग के जरिए पुतले बनाने का काम यह चार चरणों में पूरा करता है। पहले चरण में यह पूरे शरीर की फोटोग्राफिक तकनीक के जरिए तस्वीर की 3डी स्कैनिंग की जाती है। स्कैनिंग से हासिल किए गए 3डी डाटा को संबंधित 3डी सॉफ्टवेयर में एडिट करता है। कलर 3डी प्रिंटर में इसे प्रिंट किया जाता है। तैयार हुए प्रोडक्ट यानी पुतले पर चिपके अतिरिक्त पाउडर को हटाया जाता है और उस पर ग्लू चिपकाया जाता है।

क्लोन मी का 3डी प्रोडक्ट

यह 3डी सेल्फी से क्लोन बनाने वाली एक कंपनी है, जो इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और उत्तम कोटि की शिल्पकारी के जरिए 3डी फिगर तैयार करती है। यह कंपनी पांच चरणों में 3डी फिगर बनाती है। इच्छुक लोगों को सबसे पहले शोरूम आना होता है या फिर आप ऑनलाइन अपनी तस्वीर भेज सकते हैं। इसके प्रधान कार्यालय में स्कैनिंग को अंतिम रूप देते हुए उसकी गुणवत्ता बढ़ाई जाती है। 3डी फिगर तैयार होने के बाद शिल्पकारों द्वारा साज-सज्जा करते हुए इसे अंतिम स्वरूप प्रदान किया जाता है इसे रिफाइनमेंट कहते हैं।

स्कैबीज क्या है

इसके लक्षण और उपचार

स्कैबीज घुन से होने वाला खुजली वाला त्वचा का संक्रमण है। इसके अंडो और मल से होने वाले एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण रोगी को दाने या मुंहासे होते हैं। इसका उपचार आसानी से हो सकता है।

यह बीमारी एक-दूसरे के संपर्क में आने से होती है। इसके अलावा यदि आप इस बीमारी से संक्रमित किसी भी व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर या फर्नीचर प्रयोग करते हैं तो यह आपको भी हो सकती है। भीड़भाड़ वाली जगहें, जैसे - जेल, नर्सिंग होम और बच्चों की देखभाल करने वाले स्थानों पर स्कैबीज संक्रमण के फैलने का खतरा अधिक होता है।

क्या होता है स्कैबीज

स्कैबीज त्वचा का वह संक्रमण है जो घुन के कारण होता है। जब घुन आपकी त्वचा की परत को भेदते हुए अंदर प्रवेश कर जाती है, तब यह समस्या होती है। स्कैबीज किसी को भी हो सकती है। यह किसी भी उम्र, आय और सामाजिक स्तर के लोगों को हो सकती है। यहां तक कि जो लोग स्वयं को बेहद स्वच्छ रखते हैं उन्हें भी स्कैबीज हो सकती है।

कैसे फैलती है

स्कैबीज घुन के काटने से तो फैलती ही है साथ ही यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक नजदीकी से भी हो सकती है। यह एक संचारित रोग है, जो तौलिए, चादर और अन्य निजी वस्तुएं इस्तेमाल करने से हो सकती है। स्कैबीज एक साथ परिवार के कई सदस्यों को हो सकती है। इतना ही नहीं यदि किसी संक्रमित व्यक्ति को इसके लक्षण न भी नजर आ रहे हों, तब भी वह दूसरे व्यक्ति को इस रोग से संक्रमित कर सकता है।

लक्षण

स्कैबीज से गंभीर खुजली होती है, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेशेज के साथ छोटे फफोले और घाव हो जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में खुजली की समस्या अधिक होती है। बच्चों की त्वचा अपेक्षाकृत अधिक संक्रमित होती है।

कैसे होता है निदान

डॉक्टर स्कैबीज के निदान की प्रक्रिया आपके लक्षणों के आधार पर करता है। स्कैबीज का सबसे कारण किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क होता है। इसके बाद डॉक्टर बड़े आराम से संक्रमित और रूखी त्वचा को खुरचकर सूक्ष्मदर्शी द्वारा उसकी जांच करता है। अधिकतर लोगों को इस जांच से कोई दर्द नहीं होता।

कैसे होता है इलाज

स्कैबीज अपने आप ठीक नहीं होती। आपको डॉक्टर की सुझायी खास क्रीम अथवा लोशन का इस्तेमाल करना होता है। कुछ गंभीर मामलों में आपको दवा का भी सेवन करना पड़ सकता है। स्कैबीज में दी जाने वाली कुछ दवायें बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवा रहीं माताओं के लिए सुरक्षित नहीं होतीं। इन दवाओं के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए अपने डॉक्टर की सुझाई दवाओं को सही प्रकार पालन करें और डॉक्टरी सलाह को अनदेखा न करें। अगर आपको स्कैबीज है, तो आपको और आपके समीप रहने वाले परिजनों का इलाज एक ही समय पर होना चाहिए। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ ही आपको अपने कपड़े और तौलिए आदि भी सावधानीपूर्वक साफ करने चाहिए। घावों से होने वाले रक्तस्राव भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इलाज के बाद सामान्य दो से चार सप्ताह तक खुजली रहती है। घुन के द्वारा हुई एलर्जी को दूर करने में आपके शरीर को इतना समय तो लगता ही है।

बैटरी बर्बाद कर रहे ये एप्स...

एक स्मार्टफोन कितना भी स्मार्ट हो, एप्स के बगैर अधूरा ही रहता है। स्मार्टफोन को खरीद कर हम सबसे पहला काम एप्स डाउनलोड करने का ही करते हैं। इनमें कई तरह के एप्स शामिल होते हैं, कुछ एंटरटेनमेंट के, तो कुछ जरूरी काम के। साथ ही कुछ ऐसे भी होते हैं, जो कभी-कभार काम आते हैं, लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इन एप्स का आपके फोन पर क्या असर पड़ता है?

गेमिंग एप

कई गेमिंग ऐप्स भी हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को खतरे में डालते हैं। जैसे कि हाल ही में खासा लोकप्रिय रहा पोकेमोन गो जैसे गेम भी काफी हद तक फोन की बैटरी लाइफ को कम करते हैं।

फेसबुक एप: यह एप लगभग हर स्मार्टफोन यूजर के फोन में होता है। हम में से कई इस पर पूरा टाइम एक्टिव भी रहते होंगे। लेकिन, आपको जान कर हैरानी होगी कि फेसबुक एप सबसे ज्यादा बैटरी इस्तेमाल करनेवाले ऐ०प्स में से एक है।

स्नैपचैट: सोशल मीडिया एप्स सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन दिनों स्नैपचैट का बुखार सभी को है, चाहे वह कोई सेलेब्रिटी हो या आम यूजर। यह एप्प भी मोबाइल स्टोरेज के साथ ही बैटरी भी अधिक खर्च करता है।

नेटफ्लिक्स: इसमें कोई शक नहीं कि नेटफ्लिक्स भी उन एप्स में से एक है, जो अधिक बैटरी कंज्यूम करता है। इस एप से फोन की बैटरी बहुत ही जल्दी खत्म हो जाती है।

स्मार्टफोन में मौजूद कई एप्स वाकई जरूरी होते हैं, और वह आपके फोन के लिए भी सुरक्षित होते हैं लेकिन, ऐसे भी कई एप्स होते हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को बरबाद कर देते हैं। ये एप्स हर समय आपके स्मार्टफोन में रन करते हैं, चाहे आप फोन इस्तेमाल कर रहे हों या नहीं। यही कारण है कि कई स्मार्टफोन यूजर्स को बैटरी लाइफ से शिकायत होती है। फोन को कितना भी चार्ज किया जाए, उसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म होने लगती है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ एप्स के नाम बताने वाले हैं, जिन्हें आप न ही डाउनलोड करें, तो अच्छा होगा। इनमें से कई एप्स बेहद फेमस भी हैं।

एवीजी एंटी वायरस एप्प

एंटी वायरस एप आपके फोन की सुरक्षा के लिए काम आते हैं, लेकिन आपको बता दें कि ये फोन की बैटरी की सुरक्षा नहीं करते हैं, बल्कि काफी बैटरी खर्च करते हैं।

सफल फेंगशुई का आधार...

फेंगसुई ऊर्जा को संतुलित करने की पद्धति का नाम है। इनके संतुलन से ही फेंगशुई प्रभावकारी होता है। इस विधा में जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु की दिशा के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का निर्माण करती है। यही कारण है कि घर का निर्माण ऐसा होना चाहिए कि सूरज की रोशनी घर में अवश्य आए। चीनी वास्तु फेंगशुई का इतिहास करीब तीन हजार वर्ष पुराना है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यह विधा पांच तत्वों पर आधारित है- जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु। इस विधा में नाकारात्मक ऊर्जा यिन व साकारात्मक ऊर्जा यांग के नाम से जानी जाती है। ये परस्पर विरोधी ऊर्जाएं हैं, जो एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त ब्राह्मांड की ऊर्जा जिसे ची के नाम से जाना जाता है। फेंगशुई, ब्राह्मंड की ऊर्जा तथा यिन व यांग। घर की ऊर्जा व दिशाओं के अनुरूप तत्वों को व्यवस्थित करना और घर में रसोई, मुख्य शयन कक्ष, बच्चों का शयनकक्ष, धन व बहुमूल्य वस्तुओं को रखने का कक्ष या अलमारी, पढ़ाई का कक्ष आदि की तत्वों व दिशाओं के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का आधार है। जो घड़ियां बंद हों, उन्हें या तो घर से हटा देना चाहिए या फिर चालू कर देना चाहिए। घर में झाड़ू का उपयोग करने के बाद उसे इस तरह रखना चाहिए कि किसी की इस पर नजर न जाए। फेंगशुई के अनुसार इसका संबंध घर के धन और संपत्ति से होता है। पूरे घर में कालीन बिछा देने से पॉजिटिव शक्तियां घर के अंदर नहीं रह पाती। शीशे को घर के मुख्य द्वार पर नहीं लगाना चाहिए। बाथरूम के दरवाजे के ठीक सामने भी कोई शीशा नहीं होना चाहिए। घर में बच्चों को डर लगे तो पीले रंग का बल्ब लगाना चाहिए। घर का मुख्य द्वार अन्य दरवाजों की तुलना में बड़ा होना चाहिए। मुख्य गेट दो पल्लों का होना चाहिए। मुख्य द्वार के दोनों ओर खिड़कियां नहीं होने चाहिए, इससे घर के मालिक को आर्थिक परेशानी हो सकती है। घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव दूर करने के लिए चीनी बेम्बू का प्रयोग करें। भाग्य को चमकाने के लिए मकान या व्यापार स्थल के मुख्य द्वार पर पवन घंटियां तथा चीनी सिक्के लगाएं। कछुए को घर में रखना प्रगति व स्वास्थ्य की दृष्टि से शुभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**